Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विशेषण

परिभाषा :- जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध हो, उसे 'विशेषण' कहते हैं। यह विशेषता संज्ञा के आकार 'अवस्था', रुप , गुण स्वभाव, स्थिति आदि से संबंधित हो सकती हैं। ध्यातव्य है कि जिसकी विशेषता बताई जाए वह ' विशेष्य' कहलाता / कहते हैं।

या जिसकी विशेषता विशेषण से प्रकट होती है,वह विशेष्य है।

- विशेष्य या तो क्रियारुप में होता है या संज्ञा रुप में।

जैसे –

	विशेष्य	**विशेषण**
क्रिया	खेलना	खिलाड़ी
संज्ञा	दया	दयालु

नोट:- विशेषण रहित संज्ञा से जिस वस्तु का बोध होता है, विशेषण लगने पर उसका अर्थ सीमित हो जाता है।

जैसे –(समझने हेतु) - ' घोड़ा' कहने से सभी घोड़ों की तरफ ध्यान जाता है या 'घोड़ा' संज्ञा से घोड़ा – जाति के सभी प्राणियों का बोध होता है, पर लाल घोड़ा ,काला घोड़ा कहने पर केवल उसी रंग के घोड़े की तरफ ध्यान जाता है।

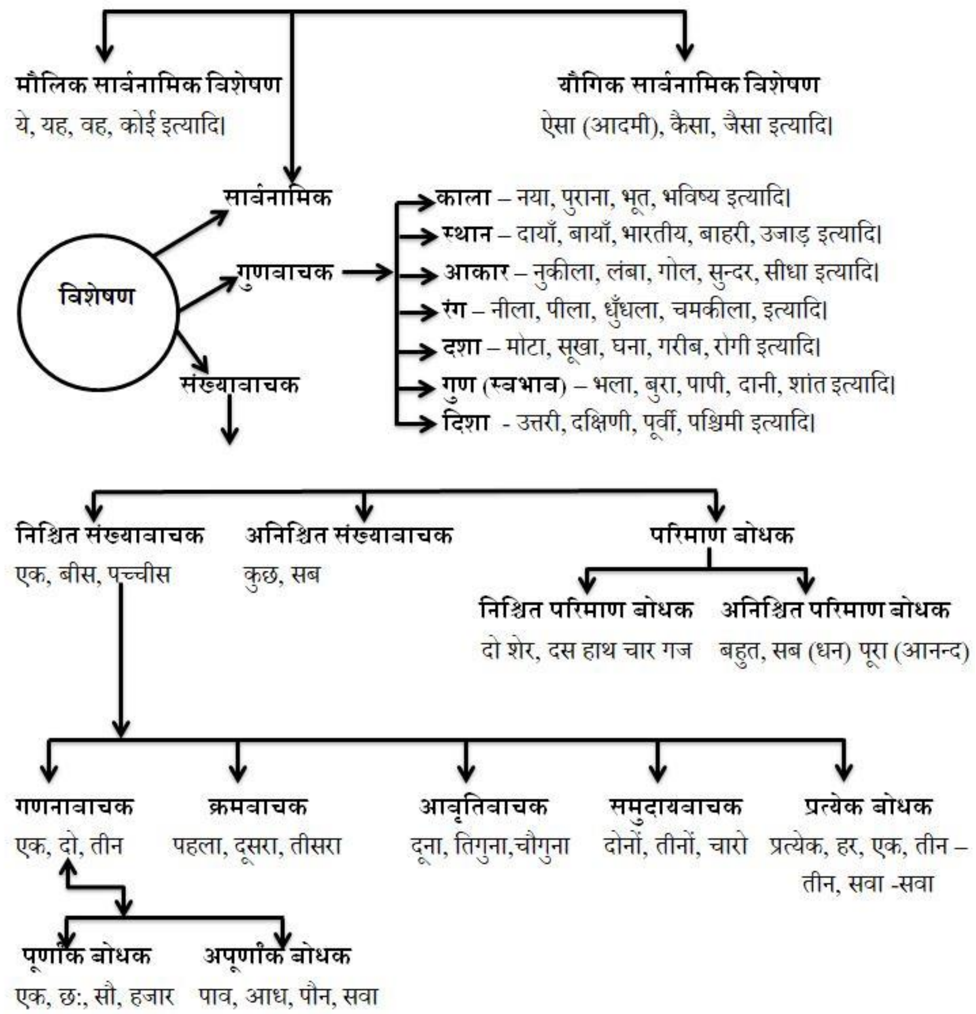

❖ **सार्वनामिक विशेषण :-** पुरुषवाचक या निजवाचक सर्वनाम (मैं,तू, आप) को छोड़कर अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा की विशेषता बताए तो, उन्हें 'सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं।

जैसे –

- यह घोड़ा अच्छा है।
- ये लड़के कहाँ जा रहे हैं।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

- आपका पत्र मिला।
- मेरा घर इसी गाँव में है।

व्युत्पत्ति के आधार पर सार्वनामिक विशेषण के दो भेद हैं –

1. मौलिक सार्वनामिक विशेषण
2. यौगिक सार्वनामिक विशेषण

1. **मौलिक सार्वनामिक विशेषण :-** जो सर्वनाम अपने मूल रुप में (बिना रुपान्तर के) किसी संज्ञा की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें 'मौलिक सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं।

जैसे –

- यह आदमी चोर है।
- कोई नौकर गया।
- ये लोग पापी है।
- यह घर अच्छा है।

2. **यौगिक सार्वनामिक विशेषण :-** जो सर्वनाम किसी प्रत्यय के योग (मूल सर्वनाम में प्रत्यय लगाने) से बनकर किसी संज्ञा की विशेषता बतलाते हैं उन्हें 'यौगिक सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं।

जैसे –

- ऐसा लड़का कहाँ मिलेगा ?
- कैसा घर चाहिए ?
- आपके जैसा आदमी मिलना कठिन है।

❖ **गुणवाचक विशेषण :-**

जिस विशेषण से किसी संज्ञा या सर्वनाम का गुण – दोष, रुप- रंग, आकार – प्रकार, सम्बन्ध, दशा, स्वभाव आदि का पता चले, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते है। विशेषणों मे गुणवाचक विशेषण की संख्या सबसे अधिक है।

- **काल :-** भूत, वर्तमान, भविष्य, अगला, पिछला, आगामी, नया, पुराना, ताजा मौसमी, टिकाउ इत्यादि।
- **स्थान :-** उजाड़, भीतरी, बाहरी, दायाँ, बायाँ, ऊपरी, सतही, पंजाबी, बिहारी, असमी, अमेरिकी, भारतीय, स्थानीय , देशीय इत्यादि।
- **आकार:-** गोल, चौकोर, सुडौल, सुन्दर, नुकीला, लम्बा, चौड़ा, सीधा, तिरछा, टेढ़ा इत्यादि।
- **रंग :-** बैंगनी, नीला, हरा, पीला, नीला, लाल, चमकीला, फीका, धुँधला इत्यादि।
- दशा:- गरीब, उद्यमी, दुबला, पतला, गीला, सूखा, मोटा, भारी, घना, गाढ़ा, पालतू, रोगी इत्यादि।
- गुण :- सच्चा, झूठा, सीधा, शांत, भला, बुरा, उचित, अनुचित, न्यायी, अन्यायी, दुष्ट इत्यादि।
- दिशा – उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी इत्यादि।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

❖ **संख्यावाचक विशेषण :-** जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। **जैसे** – तीन, चार, कुछ, सब

➢ संख्यावाचक विशेषण के तीन मुख्य भेद हैं:-

i. निश्चित संख्यावाचक
ii. अनिश्चित संख्यावाचक
iii. परिमाणबोधक

- निश्चित संख्यावाचक विशेषण से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता है। **जैसे** – एक,तीस, पचास।
- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण में वस्तु की संख्या अनिश्चित रहती है। - **जैसे** – कुछ, सब।

➢ प्रयोग के अनुसार निश्चित संख्यावाचक विशेषण के 5 भेद हैं-

i. **गणनावाचक विशेषण** – जो संख्यावाचक विशेषण पूर्णांकबोधक और अपूर्णांकबोध के रुप में गिनने योग्य हो उन्हें 'गणनावाचक' विशेषण कहते हैं। - एक, दो, तीन।
ii. **क्रमवाचक विशेषण** – जो संख्यावाचक विशेषण संख्या के क्रमांक को सूचित करते हैं,उन्हें 'क्रमवाचक' विशेषण कहते हैं। - पहला, दूसरा, तीसरा।
iii. **आवृत्तिवाचक विशेषण** – जो संख्यावाचक विशेषण किसी संख्या की आवृत्ति को सूचित करता है। - दूना, तिगुना, चौगुना।
iv. **समुदायवाचक विशेषण** – जो संख्यावाचक विशेषण समूह या समुदाय का बोध करते/कराते हैं। - दोनों, तीनों, चारों।
v. **प्रत्येक बोधक विशेषण** – जो संख्या एक या बोध कराए, उसे ' प्रत्येक बोधक' विशेषण कहते हैं। - प्रत्येक, हरेक (हर –एक), दो- दो।

- गणनावाचक विशेषण (संख्यावाचक विशेषण) पुन: पूर्णांकबोधक एवं अपूर्णांक बोधक विशेषण में विभक्त है।

➢ **पूर्णांकबोधक विशेषण** – एक, दो, चार, सौ, हजार इत्यादि।

➢ **अपूर्णांकबोधक विशेषण** – पाव, आध, पौन, सवा इत्यादि।

❖ **महत्वपूर्ण बिन्दु :-**

- पूर्णांकबोधक विशेषण शब्दों या अंकों मे लिखे जाते हैं।
- बड़ी – बड़ी निश्चित संख्याएँ अंको में और छोटी – छोटी तथा बड़ी – बड़ी अनिश्चित संख्याएँ शब्दों में लिखनी चाहिए।

❖ **परिमाणबोधक विशेषण :-** परिमाणबोधक विशेषण यह किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध कराता है।

1. निश्चित परिमाणबोधक विशेषण :- दो सेर घी, दस हाथ जगह, चार गज मलमल, एक तोला हींग इत्यादि।
2. अनिश्चित परिमाणबोधक :- बहुत दूध, अनेक पक्षी, सब धन, पूरा आनन्द इत्यादि।

❖ **प्रविशेषण :-** हिन्दी में कुछ विशेषणों के भी विशेषण होते हैं, इन्हें 'प्रविशेषण' कहते हैं।

उदाहरण :-

- राम बहुत तेज विद्यार्थी हैं।
- क्षत्रिय बड़े साहसी होते हैं।
- अर्चना अत्यंत सुन्दर है।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- कश्मीरी सेब सिन्दूरी लाल होता है।

❖ **विशेष्य और विश्लेषण में संबंध** –

- वाक्य में विशेषण का प्रयोग दो प्रकार से होता है :-

➢ प्रयोग की दृष्टि से विशेषण के दो भेद हैं –

1. विशेष्य – विशेषण – जब विशेषण विशेष्य के पहले प्रयुक्त होता है।

जैसे – मोहन चंचल बालक है।

शीला सुशील कन्या है।

'चंचल' और ' सुशील' क्रमश: बालक और कन्या के विशेषण है।

2. विधेय- विशेषण :- जो विशेषण विशेष्य और क्रिया के बीच आये , उसे विधेय – विशेषण कहते हैं।

जैसे –

- मेरी गाय काली है।
- मेरा लड़का आलसी है।

उपर्युक्त दोनों उदाहरण में क्रमश: 'काली' और 'आलसी' विशेषण है, जो क्रमश: 'कुत्ता' और 'लड़का' के बाद प्रयोग में आए है। इसे विधेय –विशेषण का उदाहरण मानेंगे।

❖ विशेषण के लिंग, वचन आदि विशेष्य के लिंग वचन आदि के अनुरुप होते है, चाहे विशेषण विशेष्य के पहले आये या पीछे(बाद में)।

जैसे – अच्छे लड़के पढ़ते हैं।

राधा भली लड़की है ।

❖ यदि एक ही विशेषण के अनेक विशेष्य हों, तो विशेषण के लिंग और वचन समीप वाले विशेष्य के लिंग, वचन के अनुसार होंगे।

जैसे – नये पुरुष और नारियाँ।

नयी धोती और कुर्ता।

❖ **विशेषण की रचना और उनके प्रयोग :-**

1. रचना की दृष्टि से अविकारी विशेषणों के रुपों में परिवर्तन नहीं होते। ये अपने मूल रुप में बने रहते हैं।

जैसे – लाल, सुन्दर, चंचल, गोल, भारी, सुडौल इत्यादि।

2. कुछ विशेषण संज्ञाओं में प्रत्यय लगाकर बनते हैं।

प्रत्यय	संज्ञा	विशेषण
ई	दान	दानी
मान	श्री	श्रीमान्
वान्	धन	धनवान्

3. दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से विशेषण बनते हैं।

जैसे – चलता – फिरता ढेड़ा - मेढ़ा

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

4. आकारान्त (जिस शब्द के अंत में 'T' की मात्रा हो) विशेषण लिंग, वचन और कारक के अनुसार बदलकर 'ए' या 'ई' हो जाता है।

जैसे –	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
एकवचन	काला, बड़ा	काली, बड़ी
बहुवचन	काले, बड़े,	काली, बड़ी

5. सार्वनामिक विशेषण भी वचन और कारक के अनुसार उसी तरह रुपान्तरित होते हैं, जिस तरह सर्वनाम।

जैसे –	**एकवचन**	**बहुवचन**
	वह लड़का	वे लड़के
	उस लड़के का	उन लड़कों का

6. जब संज्ञा का लोप रहता है और विशेषण संज्ञा का काम देता है, तब उसका रुपान्तर विशेषण के ढंग से नहीं, संज्ञा के ढंग से होता है। सामान्यत: विशेषण के साथ परसर्ग नहीं लगता , विशेष्य के साथ लगता है, किंतु संज्ञा बन जाने पर विशेषण पद के बाद परसर्ग लगता है।

जैसे –

- बड़ों की बात माननी चाहिए।
- वीरों ने सब कुछ कर दिखाया।
- विद्वानों का आदर करना चाहिए।

❖ **तुलनात्मक विशेषण :-** दो या दो से अधिक वस्तुओं या भावों के गुण, मान आदि के परस्पर मिलान का विश्लेषण 'तुलनात्मक विशेषण' कहलाता है।

✦ हिन्दी में तुलना करने पर विशेषणों के रुप ज्यों-के-त्यों रहते हैं, उनमें विकार या परिवर्तन नहीं होता (अंग्रेजी भाषा में होता है)।

जैसे – राम की गाड़ी श्याम से महंगी है।

अनूप अपने कक्षा में सबसे तेज विद्यार्थी है।

✦ हिन्दी में 'से', 'अपेक्षा', 'सामने', 'बनिस्बत', सबमें, 'सबसे' लगाकर विशेषणों की तुलना की जाती है।

उदाहरणार्थ – **I.** सुशील की अपेक्षा सुधीर अधिक शिष्ट है।

II. वह श्याम की बनिस्बत अच्छा है।

❖ **मूलावस्था :-** इसमें विशेषण अन्य किसी विशेषण से तुलना न कर सीधे व्यक्त होता है। दूसरे शब्दों में, इस अवस्था में किसी विशेषण के गुण या दोष की तुलना दूसरी वस्तु से नहीं की जाती।

जैसे – सुन्दर, मधुर, महत् वीर।

❖ हिन्दी की प्रकृति संस्कृत से भिन्न होने के कारण सामान्यत: 'तर' के स्थान पर 'से' और 'में' का और 'तम' के स्थान पर 'सबसे' सबमें जैसे शब्दों का प्रयोग अधिक होता है।

इसके साथ ही साथ 'से अधिक','से ज्यादा, 'से भी अधिक', 'से कम',' से भी कम','से कुछ कम','से बढ़कर', 'से कहीं' जैसे प्रत्यय - पदों का भी प्रयोग होता है।

जैसे – हरि श्याम से अधिक बड़ा है।

उत्तरावस्था :- इसमें विशेषण दो वस्तुओं की तुलना में होता है। और उसमें किसी एक वस्तु के गुण या दोष बताये जाते हैं।

जैसे – महेश अशोक से अधिक समझदार है।

उत्तमावस्था :- उत्तमावस्था में विशेषण द्वारा किसी वस्तु को सबसे अधिक गुणशाली या दोषी बताया जाता है।

जैसे – हमारे स्कूल में शिवम् सबसे अच्छा खिलाड़ी है।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

परीक्षापयोगी- महत्वपूर्ण उदाहरण

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
अग्नि	आग्नेय	आयु	आयुष्मान्	ताप	तप्त
पुरूष	पौरूषेय	आदि	आद्य, आदिम	तेज	तेजस्वी
परिवार	पारिवारिक	आकर्षण	आकृष्ट	दन्त	दन्त्य
धर्म	धार्मिक	आसक्ति	आसक्त	नीति	नैतिक
पृथा	पार्थ	आक्रमण	आक्रान्त	धर्म	धार्मिक
खेलना, खेल	खिलाड़ी	अन्तर	आन्तरिक	निन्दा	निन्द्य,निन्दनीय
दया	दयालु	अनुक्रम	आनुक्रमिक	निर्माण	निर्मित
कृपा	कृपालु	अध्यापक	अध्यापित	पृथु	पृथुल
ईर्ष्या	ईर्ष्यालु	उपार्जन	उपार्जित	पाठ	पाठ्य
भाव	भावुक	उत्कर्ष	उत्कृष्ट	पथ	पाथेय
कर्त्ता	कर्त्तृक	ऋषि	आर्ष	पतन	पतित
मधु	मधुर	उन्नति	उन्नत	प्रात:काल	प्रात:कालीन
कर्म	कर्मठ, कर्मण्य	क्रय	क्रीत	प्रणाम	प्रणम्य
अभिषेक	अभिषिक्त	खान	खनिज	भूमि	भौमिक
अंग	आंगिक	गृहस्थ	गार्हस्थ्य	भगवत्	भागवत
अन्त	अंतिम, अन्त्य	गाँव	गँवार, गँवई	भय	भयानक
अध्ययन	अधीत	गर्मी	गर्म	मोह	मुग्ध
अनीति	अनैतिक	गर्व	गर्वीला	मान	मान्य
आत्मा	आत्मीय, आत्मिक	ग्राम	ग्रामीण, ग्राम्य	मृत्यु	मर्त्य
जागरण	जागरित, जाग्रत्	ग्रास	ग्रस्त	चिन्ता	चिन्तनीय, चिन्त्य, चिन्तित
घाव	घायल	लोभ	लुब्ध, लोभी	लाभ	लभ्य
घनिष्ठता	घनिष्ठ	लोहा	लौह		
घृणा	घृण्य	विषाद	विषण्ण		
चन्द्र	चान्द्र	हृदय	हार्दिक		
स्वर्ण	स्वर्णिम	स्त्री	स्त्रैण		
सभा	सभ्य	सौन्दर्य	सुन्दर		

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विशेषण- विशेष्य पदों का कोश

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
अग्नि	आग्नेय	अनुभूति	अनुभूत
अनुवाद	अनूदित, अनुवादित, अनुवाद्य	अभिनय	अभिनेय
अवरोध	अवरुद्ध	अंग	आंगिक
अंश	आंशिक	अध्ययन	अधीत
अंकुश	अंकुशित	अजय	अजित
अरण्य	आरण्यक	अवतार	अवतीर्ण
अतिरंजन	अतिरंजित	अवयव	आवयविक
अतृप्ति	अतृप्त	अंत	अन्तिम, अन्त्य
अर्थ	आर्थिक	अंतर	आन्तरिक
अधिक्रमण	अधिक्रान्त	आकर्षण	आकृष्ट
अनुभव	अनुभवी	आभूषण	आभूषित
आयु	आयुष्मान	उपदेश	उपदेशक, उपदिष्ट
आधार	आधारित, आधेय	ऊँचाई	ऊँचा
आराधना	आराध्य	ऋतु	आर्तव
आशा	आशान्वित	ऋषि	आर्ष
आश्चर्य	आश्चर्यित	एकांन्त	एकान्तिक
आरोहण	आरुढ़	एकीकरण	एकीकृत
आत्मा	आत्मिक, आत्मीय	एक	ऐकिक
इच्छा	ऐच्छिक, इच्छित	एषण	इष्ट
इंन्द्रिय	ऐन्द्रिय	-	-
इहलोक	ऐहलौकिक	ओष्ठ	ओष्ठ्य
ईप्सा	ईप्सित	ओछापन	ओछा
ईर्ष्या	ईर्ष्य, ईर्ष्यालु	औचित्य	उचित
उपन्यास	औपन्यासिक	कथा, कथन	कथित
उपासना	उपास्य	कपूर	कपूरी
उद्धरण	उद्धत, उद्धरणीय	कुटुम्ब	कौटुम्बिक
उत्तर	उत्तरी	कण्ठ	कण्ठ्य
उच्चारण	उच्चरित,उच्चारणीय, औच्चारणिक	कंप	कंपित
उदय	उदित	क्लेश	क्लिष्ट
दाता	कामी, काम्य, कामुक	कर्म	कर्मठ, कर्मण्य, कर्मी
उदीचि	औदिच्य, उदीच्य	कुल	कुलीन
उपवन	औपवनिक	कृषि	कृषक
उद्वेग	उद्विग्न	क्रय	क्रीत
उपनयन	उपनीत	कुंडल	कुंडली

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

उक्ति	उक्त	कैवल्य	केवल
-	-	कुत्सा	कुत्सित
खेद	खिन्न	छवि	छबीला
खजूर	खजूरी	जनपद	जनपदीय
खाना	खाऊ	जड़ना	जड़ाऊ
खान	खनिज	जटा	जटिल
गायन	गेय	जड़ता	जड़
ग्रास	ग्रस्त	जीवन	जीवित
गाँव	गँवार, गँवारू, गँवई	जेहन	जहीन
ग्रहण	ग्राह्य, गृहीत	जय	जयी
गोत्र	गोत्रीय	झंझट	झंझटिया
गंधक	गंधकी	झांसा	झांसू, झांसिया
गंधर्व	गांधर्व	झंकार	झंकृत
गलती	गलत	डाह	डाही
घटना	घटित, घटिया, घटनीय	ढाल	ढलवाँ
घर	घरेलू	ताप	तापित
चन्द्र	चान्द्र	तेज	तेजस्वी
चलना	चालू	तंबूल	तंबोली
चुंबन	चुंबित	तुंद	तुंदिल
चैत	चैती	तेल	तेलिया
चेतना, चैतन्य	चेतन	तिरोधान	तिरोहित
च्युति	च्युत	तुला	तुल्य
चिर जीवन	चिरंजीव	तुक	तुक्कड़
चश्म	चश्मदीद	तृष	तृषित
चक्षु	चक्षुष	तालु	तालव्य
छेदन	छिन्न	त्वरा	त्वरित
-	-	थकान	थकित
दस्त	दस्तावर	दाह	दग्ध
दंड	दंडनीय	पृथु	पृथुल
-	-	प्रवंचना	प्रवंचित
दनु	दानव	प्यार	प्यारा
दबाव	दब्बू	प्रसव	प्रसूता
दूषण	दूषित	प्रवेश	प्रविष्ट
दर्प	दर्पित	प्रतीक्षा	प्रतीक्षित
दाम	दामी	पथ	पाथेय
दाखिला	दाखिल	पुरा	पुरातन

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

धुंध	धुंधला	पय	पयस्वी
धूम	धूमिल	पंक्ति	पांक्तेय
धृष्टता	धृष्ट	प्रणाम	प्रणम्य
निश्चय	निश्चित	फेन	फेनिल
निवेदन	निवेदित	बन	बनैला
निसर्ग	नैसर्गिक	बखेड़ा	बखेड़िया
नौक	नुकीला	बल	बलिष्ठ
निशा	नैश	बुभुक्षा	बुभुक्षित
नीति	नैतिक	बुजुर्ग	बुजुर्गाना
परीक्षा	परीक्षित	बुद्ध	बौद्ध, बौद्धिक
पक्ष	पाक्षिक	भ्रम	भ्रमित/ भ्रामक
पंक	पंकिल	भूमि	भौम
प्राची	प्राच्य	-	-
पानी	पेय	भगवत्	भागवत
पृथ्वी	पार्थिव	भाग्य	भाग्यवान
पुलक	पुलकित	भंजन	भंगुर
मर्म	मार्मिक	भवन	भव्य
माधुर्य	मधुर	पुरुष	पौरुषेय
मनु	मानव	रोम	रोमिल
मान	मान्य	रिहाई	रिहा
विशेष्य	विशेषण	लजाना	लजीला
मोह	मुग्ध	लंब	लम्बा
मृत्यु	मर्त्य	लावण्य	लवण
मथुरा	माथुर	लघु	लाघव
मिथिला	मैथिल	लाभ	लम्भ, लब्ध
मैल	मैला	वर्ण	वर्णित
मनन	मननशील	वत्स	वत्सल
मनुष्य	मानुषिक	वायु	वायव्य, वायवीय
मनीषा	मनीषी	वंदना	वंदनीय, वंद्य
मूर्ति	मूर्त	वस्तु	वास्तविक
मति	मतिमान	विस्तार	वितीर्ण, विस्तृत
युद्ध	योद्धा	विषाद	विषण्ण
यज्ञ	याज्ञिक	विधि	वैध
यवन	यवनीय	विद्वान	वैदुष्य
यदि	यदीय	वन	वन्य
यदु	यादव	वध	वध्य

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

रक्त	रक्तिम	विद्युत	वैद्युत
रसीद	रसीदी	विराम	विरत
राज	राजकीय	विपर्यय	विपरीत, विपर्यस्त
रुद्र	रौद्र	नोक	नुकीला
माता	मातृक	व्याकरण	वैयाकरण
राजा	राजसी	लाल	लालयित
रति	रत	विपत्ति	विपन्न
श्याम	श्यामल	शक्ति	शाक्त
शरद	शारदीय	क्षार	क्षारीय
शील	शिष्ट	श्री	श्रीमान
शहादत	शहीद	ज्ञान	ज्ञानी
शर्त	शर्तिया	त्राण	त्राता
संदेह	संदिग्ध	संयोग	संयुक्त
सभा	सभ्य	सखा	सख्य
सोना	सुनहरा	प्राण	प्राणद
संध्या	सांध्य	वर्ष	वार्षिक
संख्या	सांख्यिक, संख्येय	बालक	बाल्य
संघात	सांघातिक	उर्मिल	उर्मि
सुरभि	सुरभित	अंत	अंतरिम
सूर्य	सौर	उत्कर्ष	उत्कृष्ट
संभाषण	संभाष्य	उदीचि	औदीच्य
संताप	संतप्त	संकल्प	संकल्पित
सीमा	सीमित	आकृष्ट	आकर्षित
स्मृति	स्मृत, स्मार्त	बुराई	बुरा
स्त्री	स्त्रैण	अच्छाई	अच्छा
हेमंत	हेमंती	सूचना	सूचित
हर्ष	हर्षित	विशेष	विशिष्ट
हँसी	हँसोड़	हल	हलन्त
ज्ञात	ज्ञातव्य	त्रुटि	त्रुटित
त्रयी	त्रय	क्षय	क्षीण
शोक	शोकाकुल	क्षोभ	क्षुब्ध
शौक	शौकीन	उघाड़ना	उद्घाटन
राख	क्षार	रहट	अरहट्ट

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
अंकुर	अंकुरित	अंचल	आंचलिक
अंग	आंगिग	अर्थ	आर्थिक
अणु	आणविक	अवयव	आवयविक
अंकन	अंकित	अक्ल	अक्लमंद
अभिषेक	अभिसिक्त	अनुष्ठान	अनुष्ठित/ अनुष्ठानिक
अवश्य	आवश्यक	अन्याय	अन्यायी
अधिकार	अधिकारी	अपेक्षा	अपेक्षित
अनुराग	अनुरागी	अभ्यास	अभ्यासी
अलंकार	अलंकृत /आलंकारिक	अध्यात्म	आध्यात्मिक
अपकार	अपकारी	अनादर	अनादृत
आदर	आदरणीय /आदृत	अकर्म	अकर्मण्य
आधार	आधृत /आधारित	अजय	अजित
आश्रय	आश्रित	अनासक्ति	अनासक्त
आयु	आयुष्मान्	अनुशंसा	अनुशंसित
अनुवाद	अनुवादित, अनूदित	अनुशासन	अनुशासित
अनीति	अनैतिक	अपमान	अपमानित
अपराध	अपराधी	आत्मा	आत्मीय / आत्मिक
आकाश	आकाशीय	एकता	एक
आभूषण	आभूषित	आयु	आयुष्मान्
आचरण	आचरित	अंधेरा	अंध
आदि	आद्य, आदिम	अच्छाई	अच्छा
अराजकता	अराजक	अंकन	अंकित
आधिक्य / अधिकता	अधिक	आवश्यकता	आवश्यक
अभिलाष	अभिलषित	इतिहास	ऐतिहासिक
ईश्वर	ईश्वरीय	उत्साह	उत्साही
उपेक्षा	उपेक्षित	उन्नति	उन्नत
उपनिवेश	औपनिवेशिक	उत्कर्ष	उत्कृष्ट
उद्योग	औद्योगिक	उत्तेजना	उत्तेजित
उच्चारण	उच्चरित / उच्चारणीय	उपार्जन	उपार्जित
उत्पीड़न	उत्पीड़ित	उदय	उदित
उत्तेजना	उत्तेजित	उपज	उपजाऊ
उपनिषद्	औपनिषदिक	उत्तर	उत्तरी

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

उपयोग/उपयुक्त	उपयोगी	उपकार	उपकृत
ऋषि	आर्ष	ओष्ठ	ओष्ठ्य
ऋण	ऋणी	उपस्थिति	उपस्थित
ऐतिहासिकता	ऐतिहासिक	ऊँचाई	ऊँचा
कड़वाहट	कड़वा	कठोरता	कठोर
कर्मनिष्ठता	कर्मनिष्ठ	कुरुपता	कुरुप
कारुण्य	करुण	कुशलता, कौशल	कुशल
कृपा	कृपालु	काल	कालीन /कालिक
क्रोध	क्रुद्ध	केन्द्र	केन्द्रीय /केन्द्रित
कल्पना	काल्पनिक /काल्पित	काम	कामी /कामुक
कागज	कागजी	किताब	किताबी
कर्म	कर्मठ /कर्मी	काँटा	कँटीला
कुदुम्ब	कौटुम्बिक	कंकड़	कँकड़ीला
कमाई	कमाऊ	करुणा	करुण /कारुणिक
कलंक	कलंकित	कर्ज	कर्जदार
कण्ठ	कण्ठ्य	कत्था	कत्थई
कर्मनिष्ठता	कर्मनिष्ठ	खेल	खेलाड़ी
खर्च	खर्चीला	खण्ड	खण्डित
खून	खूनी	ख्याति	ख्यात
खानदान	खानदानी	खुशी	खुश
खटास /खटाई	खट्टा	खपड़ा	खपड़ैल
खर्च	खर्चीला	गलती	गलत
ग्राम	ग्रामीण/ग्राम्य	गृहस्थ	गार्हस्थ्य
गर्मी	गर्म	गर्व	गर्वीला
गम्भीरता/गम्भीर्य	गम्भीर	गरीबी	गरीब
गहनता	गहन	ग्रास	ग्रस्त
गोत्र	गोत्रीय	गुलाब	गुलाबी
गुण	गुणी		

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
घर	घरेलू	घनिष्ठता	घनिष्ठ
घमण्ड	घमण्डी	घृणा	घृणित, घृण्य
घाव	घायल	घात	घातक
घनत्व	घना	चालाकी	चालाक
चर्चा	चर्चित	चौड़ाई	चौड़ा
चतुराई/चातुर्य	चतुर	चाचा	चचेरा
चित्र	चित्रित/चितेरा	चिह्न	चिह्नित
चरित्र	चारित्रिक	चार	चौथा
चक्र	चक्रित	चौमास	चौमासा
जल	जलीय	चेष्टा	चेष्टित
जाति	जातीय	जागरण	जागरित/जाग्रत
जंगल	जंगली	जनपद	जनपदीय
जातीयता	जातीय	जड़त्व	जड़
ढीठाई	ढीठ	ठकुराई	ठाकुर
त्याग	त्याज्य/त्यागी	तत्व	तात्विक
तिरस्कार	तिरस्कृत	तालु	तालव्य
तर्क	तार्किक	तंत्र	तांत्रिक
तीक्ष्णता	तीक्ष्ण	तीव्रता	तीव्र
देश	देशी, देशीय	देव	दैविक, देवी
दम्पति	दाम्पत्य	दया	दयालु
दगा	दगाबाज	दिन	दैनिक
दक्षता	दक्ष	दर्शन	दर्शनीय
दीनता, दैन्य	दीन	दुनिया	दुनियावी
दुष्टता	दुष्ट	दुष्टता	दुष्ट
नरक	नारकीय	नियम	नियमित
निन्दा	निंद्य, निन्दनीय	नगर	नागरिक
नियम	नियमित	निष्कासन	निष्कासित
निज	निजी	निर्माण	निर्मित
नाव	नाविक	न्याय	न्यायी
नेकी	नेक	निषेध	निषिद्ध
नम्रता	नम्र	नवाबी	नवाब

पुस्तक	पुस्तकीय	पशु	पाशविक, पाशव
पृथु	पृथुल	पुराण	पौराणिक
परिवार	पारिवारिक	प्रथम	प्राथमिक
पुष्टि	पौष्टिक	प्रमाण	प्रामाणिक
पिता	पैतृक	प्रकृति	प्राकृतिक
पाठ	पाठ्य	परस्पर	पारस्परिक
परिचय	परिचित	प्रान्त	प्रान्तीय
प्रतिष्ठा	प्रतिष्ठित	पीड़ा	पीड़ित
प्रदेश	प्रादेशिक	पथ	पाथेय
प्रसंग	प्रासंगिक	पूजा	पूज्य
प्रार्थना	प्रार्थनीय/प्रार्थित	प्रणाम	प्रणम्य
प्रतिबिम्ब	प्रतिबिम्बित	पल्लव	पल्लवित
प्रात:काल	प्रात:कालीन	पतन	पतित
पण्डिताई	पण्डित	प्रामाणिकता	प्रामाणिक
प्रतिपादन	प्रतिपादित	पौराणिकता	पौराणिक
फकीरी	फकीर	फलन/फल	फलित
बाजार	बाजारू	बालक	बाल्य
बर्फ	बर्फीला	बुद्धि	बौद्धिक
भूत	भौतिक	भय	भयानक
भारत	भारतीय	भोजन	भोज्य
भूगोल	भौगोलिक	भाषा	भाषिक/भाषाई
भाव	भावुक	मांस	मांसल
मल	मलिन	मास	मासिक
मनु	मानव	मूल	मौलिक
माह	माहवारी	माता	मातृक
मुख	मौखिक, मुखर	मेधा	मेधावी
मंगल	मांगलिक, मंगलमय	मूर्च्छा	मूर्च्छित
		मध्यम	माध्यमिक
बहुतायत	बहुत	बदी	बद
बुराई	बुरा	बुढ़ापा	बूढ़ा
बेवकूफी	बेवकूफ	बड़ाई	बड़ा
भलाई	भला	मर्दानगी	मर्द
भावुकता	भावुक	मोटापा	मोटा
भारतीयता	भारतीय	मनोरमता	मनोरम

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मूर्खता	मूर्ख	योग्यता	योग्य
मिठास	मीठा	यथेष्टता	यथेष्ट
महत्ता	महान्	योग	यौगिक
यश	यशस्वी	यदु	यादव
रोग	रोगी	रंग	रंगीन/रंगीला
रसीद	रसीदी	राजनीति	राजनीतिक
रस	रसीला, रसिक	राक्षस	राक्षसी
रोमांच	रोमांचित	लखनऊ	लखनवी
इलाहाबाद	इलाहाबादी	राष्ट्र	राष्ट्रीय
रसायन	रासायनिक	राह	राही
रोज	रोजाना	लज्जा	लज्जित, लज्जालु
लक्षण	लाक्षणिक/लक्ष्य	लाठी	लठैत
लोक	लौकिक	लेख	लिखित
लोहा	लौह	लोभ	लोभी, लुब्ध
लालित्य	ललित	लम्बाई	लम्बा
लाघव, लघुता, लघुत्व	लघु	लालिमा, लाली	लाल
		विस्मृति, विस्मरण	विस्मृत
विभक्ति, विभाजन	विभक्त	विभाजन, विभक्ति	विभक्त
वैधव्य	विधवा	वेद	वैदिक
वीरता	वीर	व्यापार	व्यापारिक
वन	वन्य	विचार	वैचारिक
व्यवसाय	व्यावसायिक	विस्मय	विस्मित
वर्णन	वर्णनीय	विजय	विजेता, विजयी
विनय	विनती	विरह	विरही
विवेक	विवेकी	व्यवहार	व्यावहारिक
विवाह	वैवाहिक	विलास	विलासी
विधान	विहित, वैधानिक	वेतन	वैतनिक
विवाद	विवादी	विज्ञान	वैज्ञानिक
वियोग	वियोगी	व्यक्ति	वैयक्तिक
विकास	विकसित	वास्तव	वास्तविक
-	-	विष्णु	वैष्णव
शठता	शठ	विद्वान	वैदुष्य
श्लीलता	श्लील	शिष्टता	शिष्ट
शासन	शासक, शासित	शास्त्र	शास्त्रीय

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

शिक्षा	शैक्षिक, शिक्षित	शिव	शैव
शरीर	शारीरिक	शौक	शौकीन
सभ्यता	सभ्य	श्याम	श्यामल
स्थापना	स्थापित	स्वास्थ्य	स्वस्थ
सिद्धि	सिद्ध	संग्रह	संगृहीत
सुन्दरता, सौन्दर्य	सुन्दर	सावधानी	सावधान
सरलता	सरल	सुख	सुखद
सहायता, साहाय्य	सहायक	स्पष्टता	स्पष्ट
संपादक	संपादकीय	स्वीकृति	स्वीकृत
समाज	सामाजिक	संसार	सांसारिक
स्मृति	स्मार्त	संख्या	सांख्यिक, संख्येक
स्वभाव	स्वभाविक	सोना	सुनहरा
समर	सामरिक	सम्मान	सम्मानित
संपत्ति	संपन्न	संदेह	संदिग्ध (सन्दिग्ध)
सन्बन्ध	सम्बद्ध, सम्बन्धी	संकल्प	संकल्पित
स्मरण	स्मरणीय	संकेत	सांकेतिक
स्तुति	स्तुत्य	संक्षेप	संक्षिप्त
स्वर्ण	स्वर्णिम	स्वप्न	स्वप्निल
स्थान	स्थानीय, स्थानिक	सिंधु	सैन्धव
समास	सामासिक	स्वर्ग	स्वर्गीय
सुगन्ध	सुगन्धित	सप्ताह	सप्ताहिक
समय	सामयिक	सिद्धान्त	सैद्धान्तिक
समुद्र	सामुद्रिक, समुद्री	स्वास्थ्य	स्वस्थ
स्वाद	स्वादु	सागर	सागरीय
स्त्री	स्त्रैण	सीमा	सीमित
श्रृंगार	श्रृंगारिक	साहस	साहसिक
क्षण	क्षणिक	सुर	सुरीला
क्षय	क्षीण, क्षयी	सुख	सुखी
हिंसा	हिंसक	साहित्य	साहित्यिक
हकदार	हक	स्वदेश	स्वदेशी
हरापन	हरा	श्रद्धा	श्रद्धालु, श्रद्धेय
हवा	हवाई	क्षोभ	क्षुब्ध
ह्दय	हार्दिक	क्षमा	क्षम्य
हीनता	हीन		

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

परीक्षोपयोगी विलोम शब्द

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अंत: करण	बहि:करण	अगम	सुगम
अंगीकार	अनंगीकार	अनुग्रह	विग्रह
अंत	आदि	अवनि	अम्बर
अंतिम	आरंभिक, अनंतिम	अमर	मर्त्य
अकंटक	कंटकित	अनुदार	उदार
अव्यक्त	अभिव्यक्त	अवर	प्रवर
असीम	ससीम	अथ	इति
अक्षत	विक्षत	अर्वाचीन	प्राचीन
अग्रगामी	पश्चगामी, प्रतिगामी	अपकार	उपकार
अच्युत	च्युत	अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अति	न्यून	अवलम्ब	निरालम्ब
अत्यधिक	अल्प	अकलुष	कलुष
अधिकतम	न्यूनतम	अंशत:	पूर्णत:
अतिक्रमण	अनतिक्रमण	अवरोध	अनवरोध
अतिवृष्टि	अनावृष्टि	अधुनातन	पुरातन
अतुल	तुल्य	अल्पायु	दीर्घायु
अद्यतन	पुरातन, अनद्यतन	अभ्यस्त	अनभ्यस्त
अधिकारी	अनधिकारी	अतल	वितल
अधिकृत	अनधिकृत	अकाल	सुकाल
अधिगत	अनधिगत	अध्याय	अनाध्याय
अधिमूल्यन	अवमूल्यन	अभिमुख	प्रतिमुख
अधिकारी	अनधिकारी	अभिलाषित	अनभिलाषित
अधिष्ठित	अनधिष्ठित	अभिव्यक्त	अनभिव्यक्त
अध्यवसाय	अनध्यवसाय	अमित	परिमित
अन्तर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व	अर्जित	अनर्जित
अज्ञ	विज्ञ, प्रज्ञ	अर्पण	ग्रहण
अल्पज्ञ	बहुज्ञ	अर्द्ध	अनर्द्ध
अवगत	अनवगत	अल्पप्राण	महाप्राण
अवशेष	नि:शेष	अवकाश	अनवकाश
अवलम्बित	अनवलम्बित	आधार	आधेय, लम्ब
अवस्थित	अनवस्थित	आकंम्पित	निष्कम्पित

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

अशन	अनशन	आप्त	अनाप्त
असूया	अनसूया	आतुर	अनातुर
अनिवार्य	निवार्य, वैकल्पिक	आकीर्ण	विकीर्ण
अनुभूत	अवनुभूत	आरूढ़	अनारूढ़
अनुरक्त	विरक्त	आक्रामक	शांत
अनुरूप	अननुरूप	आवर्षण	अनावर्षण
अनुनासिक	निरनुनासिक	इष्ट	अनिष्ट
अन्वय	अनन्वय	इच्छा	अनिच्छा
अपकर्ष	उत्कर्ष	इति	अथ
अपेक्षित	उपेक्षित, अनपेक्षित	ईश	अनीश
आधुनिक	प्राचीन	ईप्सित	अनीप्सित
आविर्भाव	तिरोभाव	उन्मूलन	रोपण
आगामी	विगत	उदार	कृपण/ अनुदार
आग्रह	अनाग्रह	उद्यम	निरुद्यम/ आलस्य
आकीर्ण	विकीर्ण	उदयाचल	अस्ताचल
आद्य	अन्त्य	उदीची	प्रतीची
आपद	निरापद	उत्थित	पतित
आवरण	अनावरण/ निरावरण	उन्मुख	विमुख
आस्था	अनास्था	उत्तेजित	शमित
आमिष, सामिष	निरामिष	उत्तेजन	प्रशमन
आवाहन	विसर्जन	उक्त	अनुक्त
आलम्ब	निरालम्ब	उद्गम	विलय
आडम्बर	सादगी	उज्ज्वल	धूमिल / धवल
आर्द्र	शुष्क	उच्छवास	नि:श्वास
आर्ष	अनार्ष	उग्र	सौम्य
उद्भव	अवसान	उदासीन	आसक्त
उन्नत	अनुन्नत / अवनत	उद्धत	विनीत
उल्लंघन	अनुल्लंघन	आकर्षण	विकर्षण
उपादेय	अनुपादेय	कलमी	बीजू
उल्लास	विषाद	कृश	पुष्ट/ पीन
उन्मीलन	निमीलन	कलुष	निष्कलुष
ऊर्ध्व	अध:/ अधो	कथ्य	अकथ्य
ऋत	अनृत	कलंकित	निष्कलंक
उच्छवास	अनुच्छवास	कृपणता	उदारता
ऋजु	वक्र	कुलदीप	कुलांगार

ऋद्धि	विपन्न	कुसुम	वज्र
एकत्र	विकीर्ण	कुलीन	अकुलीन
एकाग्रता	चंचलता	कृत	अकृत
एकनिष्ठ	सर्वनिष्ठ	कृष्ट	अकृष्ट
एषणा	अनैषणा	कोलाहल	शान्ति
एकाग्रचित्त	अन्यमनस्क	खेद	प्रसन्नता
एकाकी	दुकेला	खंडन	मंडन
ऐहिक	पारलौकिक	खरा	खोटा
ओजस्वी	निस्तेज	खगोल	भूगोल
ओत प्रोत	विहीन	खग	मृग
ओछा	गंभीर	खेचर	भूचर
आह	वाह	खुशमिज़ाज	बदमिज़ाज
औरस	दत्तक / जारस	गणतंत्र	राजतंत्र
औषधि	अनौषधि	गुप्त	प्रकट
औदार्य	अनौदार्य	ग्रस्त	मुक्त
कीर्ति	अपकीर्ति	गौरव	लाघव
करुण	निष्ठुर	गृहस्थ	संन्यासी
कृत्रिम	प्रकृत	गत	आगत/प्रत्यागत
कृतज्ञ	कृतघ्न	गृही	अगृही
कृपण	दाता	ग्रहीता	दाता
ग्रथित	विकर्ण	ग्रीर्ण	उद्गीर्ण
गुरु	लघु	गोपनीय	प्रकाशनीय
गगनचुंबी	तलस्पर्शी / भूस्पर्शी	ग्रामीण	नागरिक
घना	विरल	जीर्ण	अजीर्ण
घटक	समुदाय	जुड़ा	बिछुड़ा, अलहढ़ा
घोष, सघोष	निर्घोष, अघोष	छाँह	धूप
चिरन्तन	नश्वर	झीना	गाढ़ा / त्रफ
चोर	साधु	टल	अटल
चौर	अचौर	टीका	भाष्य
चंचल	स्थिर	ठौर	कुठौर
चेष्ट	निश्चेष्ट	ढ़ाढ़स	त्रास
च्युत	अच्युत, संयुक्त	तद्धत	अतद्धत
चाटुकार	स्वाभिमानी	तिमिर	आलोक
चित्र	विचित्र	तम	ज्योति
चिकित्स्य	अचिकित्स्य	तामसिक	सात्विक

छली	निश्छल	तरुण	वृद्ध
छादन	प्रकाशन	तनया	तनय
छेद्य	अछेद्य	तन्वंगी	स्थूलांगी
जय	पराजय	तिक्त	मधुर
ज्योति	तम	तालीमयाफ्ता	जाहिल
जंगम	स्थावर	तृप्त	अतृप्त
ज्वार	भाटा	त्याज्य	अत्याज्य
जागृत	सुषुप्त/ सुप्त	व्यक्त	ग्रहित
जूस	ताक	तृषित	तृप्त
जिजीविषा	मुमूर्षा	थाली	पत्तल
जर्जर	दृढ़	दीर्घकाय	कृशकाय
जितेन्द्रिय	इंद्रियासक्त	दिवा	रात्रि
जनाकीर्ण	जनहीन	दूषित	स्वच्छ
जारज	औरस	दण्ड	क्षमा
दुष्कृति	सुकृति	दु:साध्य	सुसाध्य
दमित	उत्तेजित	दुर्दान्त	शांत
दीर्घ	ह्रस्व	-	-
दुराग्रह	आग्रह	नीचाशय/ दुराशय	सदाशय
दाता	सूम, याचक, भिखारी , भिक्षुक	नख	शिख
देह	विदेह	नराधम	नरपुंगव
दुष्कर	सुकर	निंद्य	वंद्य / स्तुत्य/ श्लाह्य
देही	विदेह, अदेह	नेकी	बदी
द्रुत	मंथर	पण्डित	मूर्ख
द्वेष	सद्भावना	प्रमुख	सामान्य, गौण
ध्वंस	सृजन	पूर्ववर्ती	परावर्ती, उत्तरवर्ती
धीरोदात्त	धीरोद्धत	परुष	कोमल
-	-	प्रवृत्ति	निवृत्ति
धवल	कृष्ण	परिश्रम	विश्राम
धूमिल	धवल, उज्ज्वल	प्रवैगिक	स्थैतिक
धृष्ट	नम्र	प्रगति	प्रतिगमन
ध्रुव	अस्थिर	प्रफुल्ल	ग्लान, मुरझाया
नूतन	पुरातन	पाश्चात्य	पौर्वात्य, पूर्वीय
निंदा	स्तुति	पावन	कुलषित
नागरिक	ग्रामीण	पटु	अपटु

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

निर्मल	मलिन	परकीय	स्वकीय
नैसर्गिक	कृत्रिम, अनैसर्गिक	पीड़ित	पीड़क
निंद्य	वंद्य	परोक्ष	अपरोक्ष, प्रत्यक्ष
निष्कंटक	कंटकाकीर्ण	पृथक	संयुक्त
निज	पर	प्रत्याशा	दुराशा
निरावृत्त	आवृत्त	पर्णकुटी	प्रासाद
नि:सीमा	ससीमा	परिमित	अपरिमित
निर्वाक्	सवाक्	प्राची	प्रतीची
प्रशांत	उद्भ्रान्त	प्रशस्त	संकुचित
पुष्प	कंटक	मृदुल	कठोर
पुरस्कृत	दंडित	महाशय	क्षुद्राशय
प्रकृतिस्थ	अप्रकृतिस्थ	मंथर	क्षिप्र
प्रगल्भ	अप्रगल्भ	मन:स्थैर्य	मन:दौर्बल्य
प्रतिपन्न	अप्रतिपन्न	मसृण	रुक्ष
प्रलय	सृष्टि	मलिन	निर्मल
प्रसार	संकोच	मुदित	खिन्न
फलाहारी	अनाजी	मूल	निर्मूल
बन्धन	मुक्ति, मोक्ष	मन्त	अमन्त
बर्बर	सभ्य	मर्जित	अमार्जित
बहुधा	यदा-कदा	मितव्ययी	अपव्ययी
बोध्य	अबोध्य	मुक्त	बद्ध
योगी	भोगी	मौलिक	अमौलिक
भद्र	अभद्र	योग	वियोग
भूषण	दूषण	युयुत्सा	मैत्री
भव्य	सामान्य	यति	गृहस्थ
भूमिका	उपसंहार	यथेष्ट	अल्प/ स्वल्प
भ्रामक	निश्चयात्मक	रति	विरति
भंजक	योजक	रोग	निरोग
भिज्ञ, अभिज्ञ	अनभिज्ञ	लघु	गुरु, दीर्घ
भंजनीय	अभंजनीय	लब्ध	प्रदत्त
भूतपूर्व	अभूतपूर्व	लालसा	विरक्ति
मनुज	दनुज	लोभ	निर्लोभ
मानवता	नृशंसता	वक्र	ऋजु
मूक	वाचाल, मुखर	वर्ण्य	अवर्ण्य
विक्षुप्त	अविक्षुब्ध	वसंत	पतझड़

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

विधि	निषेध	विजयी	परास्त, पराजित
विनम्र	उद्दण्ड, अवनिम्र	शिष्ट	अशिष्ट
विबुध	अविबुध	शिव	अशिव
विशेषज्ञ	अविशेषज्ञ, सामान्यज्ञ	शूरता	भीरुता
विहित	निषिद्ध	शौच	अशौच
वैतनिक	अवैतनिक	श्लाघ्य	अश्लाघ्य, निंदनीय
व्यभिचारी	सदाचारी	शोक	आनंद
व्यष्टि	समष्टि	श्वास	प्रश्वास
व्यापक	अव्यापक, सीमित	शब्द	नि:शब्द
विभव	पराभव	शक्ति	क्षीणता
वध्य	अवध्य	शिख	नख
सशंक	निश्शंक, नि:शंक	सरल	कुटिल, वक्र, कठिन
विश्रान्त	श्रान्त, क्लान्त	स्तुति	निन्दा
वैषम्य	साम्य	सुधा	गरल, विष
वंध्या	उर्वरा	सुयश	अपयश
विस्मरण	स्मरण	सृजन	नाश
विभ्रांन्त	शांत	सारयुक्त	निस्सार
विस्तारण	संकोचन	सिद्धि	असिद्धि
वर्ण	विवर्ण	समीचीन	असमीचीन
विक्षुब्ध	अविक्षुब्ध	सर्वत्र	कहीं-कहीं
विश्लेषण	संश्लेषण	संलिप्त	तटस्थ
विषाद	हर्ष	सत्कर्मी	कुकर्मी, दुष्कर्मी
शील	अश्लील	भेद/संभेद	अभेद
शीर्ष, शिखर	तल	सुदूर	सन्निकट, अदूर
सन्धि	विग्रह	स्तुत्य	निंद्य
स्वार्थ	परमार्थ	सरस	नीरस
स्वधर्म	परधर्म	संश्लिष्ट	असंश्लिष्ट
समूल	निर्मूल	समास	व्यास
संकीर्ण	विस्तीर्ण	सामन्जस्य	वैमनस्य
स्वल्पायु	चिरायु	हास	रुदन
सुशील	दु:शील	ह्रस्व	वृद्धि
स्थूल	सूक्ष्म	क्षर	अक्षर
सापेक्ष	निरपेक्ष	क्षणिक	शाश्वत
संदूषित	संशोधित	क्षुब्ध	शांत
संदेह	निस्संदेह / नि:संदेह	क्षुण्ण	अक्षुण्ण

संभेद्य	अभेद्य	क्षति	लाभ
संकलन	विगलन	त्रिकुटी	भृकुटी
समाधान	अवधान	ज्ञेय	अज्ञेय
स्थावर	जंगम	श्री गणेश	इतिश्री
स्निग्ध	रुक्ष, अस्निग्ध	श्रद्धा	अश्रद्धा
संध्या	प्रात:	श्रम	विश्राम
समय	असमय, कुसमय	श्रोता	वक्ता
श्रुत	अश्रुत	श्रेष्ठ	निम्न, अधम
संपृक्त	असंपृक्त	श्रव्य	अश्रव्य
संयुक्त	असंयुक्त, वियुक्त	श्राप	आशीर्वाद
स्तब्ध	अस्तब्ध	श्रवण	दर्शन
स्थैर्य	अस्थैर्य	श्रांत	अश्रांत
स्पर्धा	सहयोग	श्रुतिमधुर	कर्णकटु
स्पष्टता	अस्पष्टता	शृंखला	विशृंखला
स्फुट	अस्फुट	शृंखलित	विशृंखलित
संवृत	विवृत	स्पृश्य	अस्पृश्य
अज्ञ	विज्ञ/ प्रज्ञ	स्याह	सफेद
अद्य	अनद्य	अभियान	अनभियान
संकीर्ण	विस्तीर्ण	अभिज्ञ	अनिभिज्ञ
लुप्त	व्यक्त	विशेषज्ञ	सामान्यज्ञ
अंत	अनंत	एकत्र	प्रकीर्ण
नि:सीम	ससीम	उग्र	सौम्य
उपरि	अध:	प्रखर	कुंद, मंद
प्रमाद	जागरुक	प्रसम	अप्रसम
नपुंसक	पुंसत्ववान	शूर	भीरू
अनुर्वर	उर्वर	नराधव	नरपुंगव
फलाहारी	अनाजी		

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तत्सम तद्भव

तत्सम शब्द:- हिन्दी में जो शब्द संस्कृत से ज्यों के त्यों ग्रहण कर लिए गये हैं तथा जिनमें कोई ध्वनि परिवर्तन नहीं हुआ है वे तत्सम शब्द कहलाते हैं।

तत्सम :-

तत् + सम

तस्य (उसके) + सम (समान)

उसके समान

यहां तत् (उसके) का आशय संस्कृत (के शब्द) से है।

किसी भाषा के मूल शब्द को तत्सम शब्द कहते हैं।

तत्सम	हिन्दी
आम्र	आम
घोटक	घोड़ा
क्षीर	खीर
गोमल, गोमय	गोबर

तद्भव शब्द:- संस्कृत भाषा के वे शब्द जिनका हिन्दी भाषा में प्रयोग करने पर रूप बदल जाता है, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

तद्भव :-

तत् + भव

तत् (उससे – संस्कृत) + भव (उत्पन्न)

ऐसे शब्द जो संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर हिन्दी में आए हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। ये शब्द संस्कृत से सीधे न आकर पालि, प्राकृत और अपभ्रंश के माध्यम से होते हुए हिन्दी में आये हैं।

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अंगुरी	अंगुलि	अँधा	अंध
अच्छर / आखर	अक्षर	अँधेरा	अंधकार
अंगूठा	अंगुष्ठ	अखाड़ा	अक्षवाट
अंगूठी	अंगुष्ठिका	अखरोट	अक्षोट
अफीम	अहि-फेन	अगाड़ी	अग्रणी
अनाड़ी	अनार्य	अचरज	आश्चर्य
अंजली	अंजलि	अठखेली	अष्टकेलि
अंगारा	अंगार	अढ़ाई	अर्धतृतीय
असीस	आशीष	अदरक	आर्द्रक
अटारी	अट्टालिका	अनूठा	अनुत्थ
अस्सी	अशीति	अपाहज	अपादहस्त
अंगरखा	अंगरक्षक	अम्मा	अंबा
अँगीठी	अग्निष्ठिका	अमचूर	आम्रचूर्ण
अंगोछा	अँग प्रौछा	अमावस	अमावस्या
अंडी	एरंडी	अलग	अलग्न

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अंतड़ी	अंत्र	असाढ़	आषाढ़
अथवा	किंवा	अहेर	आखेट
-	-	अरपन	अर्पण
-	-	उसास	उच्छ्वास
आँख	अक्षि	उजला (उजाला)	उज्ज्वल
आँत	आंत्र	ऊँट	उष्ट्र
आम	आम्र	ऊन	ऊर्ण, ऊर्णा
आंच	अर्चि	ऊखल	उद्खल
आवंला	आमलक	एका	एक्य
आरसी	आदर्शिका	ऐसा	ईदृश
आप	आत्मा	ओखली	उद्खल
इतना	इयत	ओंठ	ओष्ठ
इलायची	एला	ओझा	उपाध्याय
इमली	अम्लिका	ओला	उपल
इस	एतस्य	औगुन	अवगुण
इतवार	आदित्यवार	कंगन	कंकण
इधर	यत्र	कंघी	कंकती
ईख	इक्षु	क्यों	कि पुन:
ईंट	इसिका	कंन्धा	स्कन्ध
ईंधन	इन्धन	केला	कदली
ईरखा	ईर्ष्या	किवाड़	कपाट
उछाह	उत्साह	करतब	कर्तव्य
उपरोक्त	उपर्युक्त	कपूत	कुपुत्र
उबटन	उद्वर्तन	कबूतर	कपोत
उलहना	उपालम्भ	कुदारी	कुद्दाल
उठान	उत्थान	करोड़	क्रोटि
उबालना	उद्वालन	कुत्ता	कुक्कुर
उपास	उपवास	कौड़ी	कपर्दिका
उँगलि	अँगुली	क्रोड	गोंद
कसेरा	कांस्यकार	कड़ाह	कटाह
कपास	कर्पास	कल	कल्य
कोयल	कोकिल	कपड़ा	कर्पट
कुम्हार	कुम्भकार	कांटा	कंटक
कुंजी	कुञ्जिका	काज	कार्य
कुम्हड़ा	कूष्माण्ड	काठ	काष्ठ
कूची	कूर्चिका	कुँवारा	कुमारक :

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

कूदना	कूर्दन	कसौटी	कर्षपट्टिका
केवट	कैवर्त	कूड़ा	कूट
कैथा	कपित्थ	केला	कदली
कोई	कोऽपि	खजूर	खर्जूर
कोठी	कोष्ठिका	खत्री	क्षत्रिय
कोढ़ी	कुष्ठी	खप्पर	खर्पर
कोहनी	कफ़ोणी	खांसी	कास
कौआ	काक	खुजली	खर्जू
कान	कर्ण	खटिया	खट्वा / खाट
कोख	कुक्षि	खान	खनि
काजल	कज्जल	खाना	खादन
केहरी	केसरी	खीर	क्षीर
क्रोधी	क्रुध	कहार	स्कन्धभार/ स्कन्धधार
कचहरी	कृत्यगृह	कटहल	कंटफल
कठपुतली	काष्ठपुत्तलिका	खुर	क्षुर
खोदना	क्षोदना	गँवार	ग्रामीण
गदहा	गर्दभ	गाय	गो
-	-	गहरा	गंभीर/ गभीर
गिद्ध (गीध)	गृध्र, गृद्ध	गोबर	गोमय, गोविष्ट
गेहूँ	गोधूम	गाजर	गृञ्जन
गागर	गर्गर	गाभिन	गर्भिणी
गोद	क्रोड	गोरा	गौर
गौना	गमन	ग्वाला	गोपाल
गर्दन	ग्रीवा	गेरु	गैरिक
घर	गृह	घड़ा	घट
घड़ी	घटी	घुँघची	गुँजा
घूँघट	गुंठन	घोड़ा	घोटक
चमार	चर्मकार	चना	चणक
चोर	चौर	चोरी	चौरिका
चोंच	चञ्चु	चुल्लू	चुलुक
चकवा	चक्रवाक	चक्का	चक्र
चाँदनी	चन्द्रिका	चिकना	चिक्कण
चौबे	चतुर्वेदी	चबूतरा	चत्वाल
छत	छत्र	छक्का	षट्क
छड़ी	यष्टि	छाँह	छाया
छाजन	छादन	छिलका	शकल
छिलका	शकल	छुरी	क्षुरिका

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

छिन	छण	जीभ	जिह्वा
जंगला	वातायन	जुगति	युक्ति
जमाई	जमातृ	जत्था	यूथ
जमुना	यमुना	जनेऊ	यज्ञोपवीत
जम्हाई	जृम्भिका, जृंभा	जवान	युवक
जाड़ा	जाड्य	जजमान	यजमान
जामुन	जंबु	जूआ	युक्त
झरना	निर्झर	जोगी	योगी
-	-	झीना	जीर्ण
टकशाल	टंकशाला	झंड़ा	ध्वज
टिटिहरी	टिट्टिभी	झूठा	जुष्ट
डंक	दंश	ठंडा	स्तब्ध
ढाई	अर्द्धतृतीय	ठाँव	स्थान
तलवार	तरवारि	-	-
तिनका	तृण	ढीला	शिथिल
तीता	तिक्त	तालाब	तड़ाग
तपसी	तपस्वी	तीखा	तीक्ष्ण
तीरथ	तीर्थ	तेल	तैल
दूब	दूर्वा	तीतर	तित्तिर
दरसन	दर्शन	त्यौहार	तिथिवार
दाई	धात्री/धाया	तुझे	तुभ्यम्
दामाद	जामाता	तुम	तुषमे
दूना	द्विगुण	थान	स्थान
दोना	द्रोण	थन	स्तन
दुबे	द्विवेदी	थोड़ा	स्तोक
दूल्हा	दुर्लभ	थामना	स्तम्भन
धुँआ	धूम	दहि	दधि
धान	धान्य		
धूल	धूलि	दांढ़	दंष्ट्रा
नारियल	नारिकेल	दूजा	द्वितीय
नाखून	नख	दूज	द्वितीया
नंदोई	ननांदृपति	दिवाली	दीपावली
नाई	नापित	देवर	द्विवर
नींद	निद्रा	दुपट्टा	द्विपट्ट
नैहर	ज्ञातिगृह	धनिया	धनिका
पड़ोस	प्रतिवेश/ प्रतिवास	धीरज	धैर्य

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

पोखरा	पुष्कर	धरती	धरित्रि
पत्थर	प्रस्तर	धूर्त	वंचक
परख	परीक्षा	नाक	नक्र
पल्ला	पल्लव	नाच	नृत्य
पहचान	प्रत्यभिज्ञान	नींबू	निम्बक
पानी	पानीय	नीम	निम्ब
पीढ़ा	पीढ़क	नया	नव्य
पीपल	पिप्पल	नाती	नप्तृ
पूँजी	पुंज	नेवला	नकुल
पैदल	पदाति	पलंग	पर्यंक
पोखर	पुष्कर	पाहुना	प्राघूण/ प्राघूर्णक
फरसा / फरुआ	परशु	पतला	प्रतनु
फुरती	स्फूर्ति	पक्का	पक्व
फूल	फुल्ल	पराठा	पर्पट
बकरा	वर्कर	पसीना	प्रस्विन्न
बच्चा	वत्स	पहनना	परिधान
बाघ	व्याघ्र	पिता	पितृ
बढ़ई	वर्द्धकि	पुजारी	पूजाकारी
ब्याह	विवाह	पुराना	पुराण/ पुरातन
बगुला	वक	पोथी	पुस्तिका
बरात	वर यात्रा	पैर	पदिर
बालू	बालुका	फिटकरी	स्फटिक
बुआ	पितृश्वसा	फाँसी	पाशिका
बौर	बेलि	फूटना	स्फुटन
बैल	बलीवर्द	फोड़ा	स्फोट
भतीजा	भ्रातृज/ भातृज्य	बहनोई	भगिनीपति
भाला	भल्ल	बाग	वाटिका/ वल्गा
भाभी	भ्रातृभार्या	बिच्छू	वृश्चिक
भालू	भल्लुक	बकर	वर्कर
भूख	बुभुक्षा	बनिया	वणिक
भेडिया	वृक	बत्ती	वर्तिका/ वर्ति
मक्खी	मक्षिका	बीघा	विग्रह
मुंदरी	मुद्रिका	बेल	बिल्व
-	-	बौना	वामन
मूंछ	श्मश्रु	भभूत	विभूति
मौसी	मातृश्वसा	भांजा	भागिनेय
मगर	मकर	भात	भक्त

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

रस्सी	रश्मि	भिखारी	भिक्षुक/ भिक्षाकारी
रंगना	रंजन	भौंरा	भ्रमर
रुख	वृक्ष	भैंसा	महीष
रोटी	रोटिका	मुट्ठी	मुष्टिका/मुष्टि
लँगड़ा	लंग	मकड़ा	मर्कट
लकड़ी	लगुड़	मीत	मित्र
लड़ना	रणन	मोती	मौक्तिक
लोहार	लौहकार	मनसा	मनोवाछा
लोन	लवण	मदारी	मंत्रकारी
महुवा	मधूक	मक्खन	मृक्षण
माँ	माता	मँहगा	महार्घ
विछोह	विक्षोभ	युगल	युग्म
शिस्य	शिष्य	रानी	राज्ञी
संडशी	संदंशिका	रीस	ईर्ष्या
सतसई	सप्तशती	रुप	रुप्य
सवा	सपाद	लंगोट	लिंगपट्ट
सलाई	शलाका	लखपति	लक्षपति
सहेली	सह हेलनी	लाठी	लगुडयष्टि
सांकर/ सांकल	शृंखला	लहसुन	लशुन
सांड	षण्ड	लेई	लेपिका
साग	शाक	लौंग	लवंग
साला	श्याल	लीलार	ललाट
साही	शल्यकी	शक्कर	शर्करा
सिंघाड़ा	शृंगाटक	शीशम	शिंशपा
सींग	शृंग	सगा	स्वक
सिर	शिर	सत्तू	सक्तु
सीधा	शुद्ध	सनीचर	शनैश्चर
सुअर	शूकर	ससुर	श्वसुर
सुथरा	सुस्थिर	साँई	स्वामी
सुनार	स्वर्णकार	सावंला	श्यामल
सूंड	शुण्ड/ शुण्डा	साड़ी	शाटी
सूत	सूत्र	सास	श्वश्रु
सोता	स्रोत	सिंगार	शृंगार
सौरी	प्रसूतिगृह	सियार	शृंगाल
साखी	साक्षी	सितार	सप्ततार
सांवा चावल	श्यामक	सीढी	श्रेणी

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

हड्डी	अस्थि	सीला	शीतल
हल्दी	हरिद्रा	सीख	शिक्षा
हरा	हरित	सुआ	शुक
हींग	हिंगु	सुन	श्रृणु
होली	होलिका	सुहाग	सौभाग्य
हिरन	हिरण	सत्तू	सक्तु
चीता	चित्रक	सेठ	श्रेष्ठी
सांड़	षण्ड	सून	शून्य
फेफड़ा	फुफ्फुस	सूखा	शुष्क
आंख	अक्षि	सुई	सूचिका
चिडिया	चटका	सेंध	संधि
करेला	कारवेल्ल	सौत	सपत्नी
अजवाइन	यवनिका	सेम	शिम्बा
साला	श्याल	साढ़ू	श्यालीवाट
नखत	नक्षत्र	सुमिरन	स्मरण
तोड़ना	त्रोटन	हाट	हट्ट
घी	घृत	हथौड़ा	हस्त
अंस	अंश	हिया	हृदय
अजान	अज्ञान	हीरा	हीरक
पीतल	पित्तल	हुलास	उल्लास
थाली	स्थाल/ स्थाली	लोमड़ी	लोमशा
जोधा	योद्धा	रीछ	ऋक्ष
गागर	गर्गर	खोपड़ी	कर्पर/ कपाल
अस्तुति	स्तुति	भौंह	भ्रू
आंक	अंक	मेढ़क	मण्डूक
गाभिन	गर्भिणी	मदारी	मंत्रकारी
लाठी	लगुड़यष्टि	लहशुन	लशुन
माई	मातृ	सेठ	श्रेष्ठी

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द

- गुरु के समीप रहने वाला विद्यार्थी – अंतेवासी
- महल के अंदर का हिस्सा जहां महिलाओं का निवास हो – अंत:पुर
- जो अंतिम वर्ण से जन्मा हो – अन्त्यज
- अंडे से जन्म लेने वाला – अंडज
- जिसे जीता न जा सके – अजेय
- जिसकी तुलना न की जा सके – अतुलनीय
- जो कहा ना जा सके – अकथनीय
- जो दिखाई न देता हो- अदृश्य
- जिसे पढ़ा ना गया हो – अपठित
- जिसकी पहले से आशा न की हो – अप्रत्याशित
- जो अनुकरण करने योग्य हो- अनुकरणीय
- वह कार्य जो बिना वेतन के किया जाए- अवैतनिक
- दोपहर के बाद का सयम – अपराह्न
- जिसका कभी जन्म ना हो – अजन्मा
- जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो – अतिथि
- जिसका जन्म पहले हुआ हो – अग्रज
- पर्वत के ऊपर की समतल भूमि – अधित्यका
- वह रोग जिसका ठीक होना कठिन हो – असाध्य
- जो न जाना गया हो – अनवगत
- जिस पर आक्रमण न किया गया हो – अनाक्रांत
- जो नियम अनुकूल न हो – अनियमित
- प्रत्येक पदार्थ को क्षणिक मानने वाला सिद्धांत – अनित्यवाद
- जिसका निवारण ना हो सके – अनिवार्य
- जो पार न किया गया हो- अनिस्तीर्ण
- जिस पर अनुग्रह किया गया हो – अनुगृहित
- जो नया ना हो – अनूतन
- किसी पुरुष से प्रेम करने वाली अविवाहित स्त्री – अनूढा
- जो किसी चीज पर आसक्त न हो – अनासक्त
- जिसका ज्ञान इंन्द्रियों द्वारा न हो – अगोचर
- वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले – अध्यूढ़ा

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

- विशेष आदेश जो किसी निश्चित अवधि तक लागू हो- अध्यादेश
- जिसका कोई शत्रु न उत्पन्न हुआ हो – अजातशत्रु
- अधिकार में आया हुआ, अधिकार प्राप्त – अधिकृत
- जो ढंका न हो – अनावृत
- परंपरा से कही हुई बात या उक्ति – अनुश्रुति
- जिस पर अभियोग लगाया गया हो- अभियुक्त
- जो अभियोग लगाये या शिकायत करे – अभियोगी
- जिसका कोई दूसरा उपाय न हो – अनन्योपाय
- जिसका अपकार किया गया हो – अपकृत
- बिगड़ा हुआ शब्द – अपभ्रंश
- आवश्यकता से अधिक धन ग्रहण करना – अपरिग्रह
- जिसकी नापतोल ना हो सके – अपरिमेय
- व्यर्थ ही अधिक खर्च करने वाला – अपव्ययी
- जो पान करने योग्य न हो – अपेय
- जिसमें प्रतिभा का अभाव हो – अप्रति
- जिसका आशा न रही हो – प्रत्याशित
- जो प्रमाण से सिद्ध ना हो सके – अप्रमेय
- जो कपड़ा न पहना गया हो – अप्रहत
- जो प्रमाण देने के योग्य ना हो – अप्रमाण्य
- जो शोक करने के योग्य ना हो – अशोक
- जो जाना न जा सके – अज्ञेय
- जो ना जाना गया हो – अज्ञात
- जो भेदा ना जा सके – अभेद्य
- जो आगे की बात सोचता हो – अग्रशोची
- जिसके समान कोई अन्य ना हो – अनन्य
- जो किसी अन्य के भरोसे ना हो – अनन्याश्रित
- जिसका अनुभव इंद्रियों द्वारा ना हो – अतींद्रिय
- बिना पलक गिराये- अनिमेष, अपलक
- जो कम जानता हो – अल्पज्ञ
- अग्रज के विवाह के पूर्व अनुज का विवाह – अनुवेश
- जो इस लोक से परे हो – अलौकिक

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- जो स्त्री सूर्य न देख सके – असूर्यम्पश्या
- बिना परिश्रम के मिलने वाला – अनायास
- वर्षा का अभाव – अनावृष्टि
- गोद में सोने वाली स्त्री – अंकशायिनी
- मन में स्वत: उत्पन्न होने वाली प्रेरणा – अंत: प्रेरणा
- जिसमें कांटे या विघ्न बाधा ना हो – अकंटक
- जिसके अंदर ना पहुंचा जा सके – अगम्य
- जिसकी गहरायी ना पता चले – अथाह
- कनिष्ठा व मध्यमा के बीच की उंगली – अनामिका
- जिसे बुलाया ना गया हो – अनाहूत
- जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो – अभ्यास
- जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो – अन्यमनस्क
- कोई काम स्वभाव वश करते रहना – अभ्यास
- जिसका वर्णन ना किया जा सके – अवर्ण्य
- स्वयं को सबसे बढ़कर समझना – अहंमन्यता
- जिसमें किसी का कोई कारण न हो – अहैतुक
- सबसे अंत: करण की बात जानने वाला – अंतर्यामी
- जो बीत चुका हो – अतीत
- जो सदा से चला आ रहा है – अनवरत
- धरती और आकाश के बीच का स्थान – अंतरिक्ष
- जिसका अनुभव किया जा चुका है – अनुभूत
- जिसके पास कुछ ना हो – अकिंचन
- जिस स्त्री के पति और पुत्र न हो - अवीरा
- सूर्योदय से पूर्व का समय – अरुणोदय
- जो सीमित ना हो – असीमित
- फेंक कर चलाया जाने वाला हथियार – अस्त्र
- जिसे बुलाया न गया हो – अनाहूत
- जिसे भुलाया ना जा सके – अविस्मरणीय
- जो मानव के योग्य ना हो – अमानुषिक
- जिसके संम्बध में निर्णय न हुआ हो – अनिर्णीत
- किसी के पीछे चलने वाला – अनुचर

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

- जो हिसाब किताब की जांच करता हो- अंकेक्षक
- सोच समझ कर कार्य ना करने वाला – अविवेकी
- जिसकी अपेक्षा ना हो – अनपेक्षित
- जिसका आदर ना किया गया हो- अनादृत
- किसी मत को समर्थन करने की क्रिया – अनुमोदन
- जिसका कोई निश्चित मत या सिद्धांत ना हो – अनिकेतु
- नीचे की ओर लाना या खींचना – अपकर्ष
- जो किसी की ओर मुंह किया हो – अभिमुख
- नीचे की ओर मुंह किये हुआ – अधोमुखी
- सीमा का अनुचित उल्लंघन करना – अतिक्रमण
- जो दबाया ना जा सके – अदम्य
- जो पहले ना देखा गया हो – अदृष्टपूर्व
- किसी वस्तु का भीतरी भाग – आभ्यंतर
- किसी शुभ काम को विधि विधान से श्रद्धापूर्वक करना – अनुष्ठान
- लगातार चलने वाला – अथक
- जिस पर आक्रमण हो – आक्रांत
- जो सूंघने योग्य हो – आघ्रेय
- जिसका अहंकार चूर्ण हो गया हो – आन्तगर्व
- आशा से अधिक – आशातीत
- प्रारंम्भ से लेकर अंत तक – आद्योपांत
- जो इधर उधर से घूमता फिरता आ जाए – आगंतुक
- वह नायिका जिसका पति परदेश से लौटा हो – आगतपतिका
- वह स्त्री जिसका पति आने वाला है- आगमिस्यतपतिका
- जिसकी सभी कामनाएं पूरी हो चुकी हैं – आप्तकाम
- दूसरे के सुख हेतु सुख त्यागना – आत्मोत्सर्ग
- परम्परा से सुना हुआ – आनुश्राविक, अनुश्रुति
- पैर से सिर तक – आपादमस्तक
- अतिथि की सेवा करना – आतिथेय
- जो अपनी हत्या कर लेता है – आत्महंता
- आकाश को चूमने वाला – गगनचुंबी, आकाशचुम्बी
- जिसे बुलाया गया हो – आहूत

- मरते दम तक – आमरण
- वह क्लर्क जो शॉर्ट हैंड जानता हो – आशुलिपिक
- ऋषि द्वारा कथित या निर्मित – आर्ष
- जिसकी बांहें घुटनों तक हो – आजानुबाहु
- जन्म लेते ही मर जाना – आदण्डपात
- अत्याचार करने वाला – आततायी
- बालक से वृद्ध तक – आबालवृद्ध
- जड़ से चोटी तक – आमूलचूल
- भगवान के सहारे अनिश्चित आय – आकाशवृत्ति
- अपने को धोखा देना – आत्मवंचना
- इंद्र को जीतने वाला – इंद्रजीत
- जो इंद्रियों से परे हो – इंद्रियातीत
- घटनाओं का कालक्रम से लिखा गया वर्णन – इतिवृत्त
- जिसकी इच्छा की गयी हो – ईप्सित
- जो दूसरी की उन्नति देख कर जलता हो – ईर्ष्यालु
- उत्तर व पूर्व के बीच की दिशा – ईशानकोण
- जो धरती फोड़ कर जन्मता हो – उद्भिज
- जो छाती के बल चलता हो – उरग
- खाने से बचा जूठा भोजन – उच्छिष्ठ
- पर्वत के पास की भूमि – उपत्यका
- जिस स्थान से सूर्य निकलता हो – उदयाचल
- जिसके दांत न जमे हो – उदंत
- जो भूमि उपजाऊ हो – उर्वरा
- ऊपर आने वाला श्वास – उच्छ्वास
- जिसने ऋण चुका दिया हो – उऋण
- निरंतर ऊंचे उठने की इच्छा – उदीषा
- ऊंचे स्वर से उच्चारण किया हुआ- उर्ध्वोचारित
- जिसका जन्म गर्मी से हुआ हो – उष्मज
- सूर्योदय से पहले का समय – उषाकाल
- जिसकी एक आंख हो – एकाक्ष
- जहां कोई दूसरा न हो – एकान्त

- जो दिन में एक बार भोजन करता हो – एकभुक्त
- इंद्र का सफेद हाथी – ऐरावत
- जो भेष बदल कर विलक्षण कार्य करता हो – ऐयार
- बहुत देने वाला – औढरदानी
- उपनिषद सम्बधी – औपनिषदिक
- विवाहित पत्नी से उत्पन्न पुत्र – औरस
- दुराचारिनी स्त्री – कुलटा
- भय शोक आदि के कारण कर्तव्य ज्ञान से रहित – किंकर्तव्य विमूढ़
- भय भूख प्यास से घबराया हुआ – कातर
- कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग – कर्णपाली
- लम्बे बालों वाली स्त्री – केशिनी
- वह बात जो जनसाधरण में प्रचलित हो – किंवदंति
- जिसकी अब कीर्ति शेष रह गयी हो – कीर्तिशेष
- अपने ही कुल का नाश करने वाला – कुलांगार
- अच्छे या ऊंचे कुल में उत्पन्न – कुलीन
- किये हुए उपकार को मानने वाला – कृतज्ञ
- किये हुए उपकार को भूल जाने वाला – कृतघ्न
- जो अपना उद्देश्य सिद्ध होने पर संतुष्ट हो – कृतार्थ
- जो केंद्र की ओर उन्मुख हो – केंद्राभिमुख
- किसी वस्तु को देखने या सुनने की प्रबल इच्छा – कुतूहल, कौतूहल
- जो स्त्री कविता रचती हो – कवयित्री
- जो पथ बाधाओं से भरा हो – कंटकाकीर्ण
- कठिनाई से पैसे निकालने या खर्च करने वाला – कृपण
- दस साल तक कुमारी लड़की – कन्या
- दस से पंद्रह साल की लड़की – किशोरी
- दूसरों का दु:ख देख कर ह्रदय भर जाना करना – करुणा
- मन में अप्रिय भावों का सूचक – क्लेश
- जिसकी गर्दन कबूतर की तरह सुंदर हो – कपोत – ग्रीवा
- जिस नायिका की ग्रीवा शंकु की तरह हो – काम्बुग्रीवा
- जो पाप पुण्य और हर्ष विषाद से मुक्त शुद्ध आत्मा हो – केवलात्मा
- **जैसे**-तैसे समय काटना – कालयापन

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- बेलों आदि से घिरा सुरम्य स्थान – कुंज / कुञ्ज
- जो नायिका कृष्णपक्ष में प्रेमी से मिलने जाती है – कृष्णाभिसारिका
- किसी के घर की होने वाली तलाशी – खानातलाशी
- ऐसा ग्रहण जिसमे सूर्य या चंद्र का पूरा बिम्ब ढक जाए – खग्रास
- जो सदा हाथ में तलवार लिए रहता हो – खड्गहस्त
- जो आकाश में चलता हो – खेचर
- आकाश में उड़ने वाला – खग
- प्राचीन आदर्श के अनुरूप चलने वाला – गतानुगतिक
- हाथी का बच्चा – गजशावक, कलभ
- गृह बसाकर रहने वाला – गृहस्थ
- गंगा से संम्बधित य गंगा से जुड़ा हुआ – गांगेय
- जिसका ज्ञान से परे हो – गोतीत
- घृणा किये जाने योग्य – घृण्य, घृणित, घृणास्पद
- घाट पर बैठकर स्नान करने वालों से दान लेने वाला ब्राह्मण – घाटिया
- वह व्यक्ति जो दूसरों के घर में फूट डालता हो – घर – फोरा
- चिरकाल तक जीवित रहने वाला चिरंजीवी
- जिसके बालों में चन्द्रमा है – चंद्रचूड
- जो आँख से संम्बधित हो – चाक्षुष
- ऐसा काव्य जिसमें गद्य व पद्य का मिश्रण हो – चंपू काव्य
- रेशमी कपड़ा - चिनांशुक
- जो अपने निश्चित स्थान से डिग गया हो – च्युत
- चैतन्य स्वरूप की माया – चिद्विलास
- करुण स्वर से चिल्लाना- चीत्कार
- किसी काम को करने की इच्छा – चिकीर्षा
- दोषों को ढूंढने का काम - छिद्रान्वेषण
- बनावटी वेश धारण करने वाला – छद्मी
- जीने की प्रबल इच्छा – जिजीविषा
- अधिक समय तक जीवित रहने का इच्छुक- जिजीविषु
- किसी पर विजय की इच्छा रखने वाला – जिगीषा
- जो वृद्ध होने के कारण जीर्ण हो गया हो- जराजीर्ण
- पेट की अग्नि- जठराग्नि / जठरानल

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- भोजन की इच्छा रखने वाला – जिघत्सु
- धनुष की प्रत्यंचा से उत्पन्न ध्वनि – टंकार
- वह वस्तु जिसमें बाण रखे जाए – तूणीर
- जो तीनों कालों को जाननेवाला हो – त्रिकालज्ञ
- किसानों को सरकार द्वारा ऋण के रूप में दी गयी सहायता – तकावी
- तैर कर पार होने की इच्छा रखने वाला – तितीर्षु
- जो देवताओं के योग्य हो – दिव्य
- गोद लिया गया पुत्र – दत्तक
- जो मार्ग पार करने में दु:खमय प्रतीत होता हो- दुर्लघ्य
- जो दो बार जन्म लेता हो- द्विज
- जहां जाना कठिन हो – दुर्गम
- जंगल की आग – दावानल
- किसी काम को चित लगाकर पूर्ण लगन से करना – दत्तचित्त
- जिसे करना कठिन हो – दुष्कर
- जिसकी नाप करन कठिन हो – दुष्परिमेय
- राजा द्रुपद की पुत्री – द्रौपदी
- जिसका दमन करना कठिन हो - दुर्दम
- जिसका निवारण करना कठिन हो – दुर्निवार
- ऐसा अकाल कि भिक्षा लेना या देना भी कठिन हो जाए – दुर्भिक्ष
- जिसका चित्त किसी एक बात पर स्थिर ना हो – दुचित्ता
- बुरे उद्देश्य से की जाने वाली मंत्रणा – दुरभिसंधि
- जिसे प्रसन्न करना कठिन हो – दुराराध्य
- जिसके पेट में मां ने रस्सी बांध दी हो – दामोदर
- जिसकी बांहे लंबी हो – दीर्घबाहु
- ऐसा साहस जिस से कुछ लाभ न हो- दु:साहस
- जिस पर पक्षपात पूर्ण दृष्टि से विचार किया गया हो- दुर्द्रष्ट
- ऐसा बोझ जिसे ढोना कठिन हो – दुर्वह
- जो कठिनाई से जाना जा सके – दुर्ज्ञेय
- जिस स्त्री पर स्वामी का प्रेम ना हो – दुर्भगा
- बुरी लत वाला व्यक्ति – दुर्व्यसनी
- जो वस्तु दूसरे के पास सुरक्षित रखी हो – धरोहर

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- धन देने वाली – धनदा
- ध्यान या विचार करने वाला – ध्याता
- दयालु बलवान और धीर और योद्धा नायक – धीरोदात्त
- मछली पकड़ने वाली जाति - धीवर
- धारण करने में समर्थ – धारयिष्णु
- जो निंदा के योग्य हो – निंदनीय
- जो कामना रहित हो – निष्काम
- जो नित्य प्रति नवीन रहे – नितनूतन
- माँस न खाने वाला – निरामिष
- मध्य रात्रि का समय – निशीथ
- जिस स्त्री के पुत्र ना पैदा होता हो – निपूती
- रेगिस्तान में पाया जाने वाला हरित क्षेत्र – नखलिस्तान
- बिना पलक झपकाए लगातार देखना – निर्निमेष
- जो नया आया हो – नवांगतुक
- जो आसानी से झुकाया जा सके – नमनीय
- जिसके हृदय में ममता ना हो – निर्मम
- जिस पर कोई कलंक ना लगा हो – निष्कलंक
- जिसमें तेज न हो – निस्तेज
- जिस में सत, रज या तम कोई गुण ना हो – निर्गुण
- जिसकी जड़ या आधार का पता ना हो – निर्मूल
- हाल ही में ब्याही स्त्री – नवोढ़ा
- नाक से बाहर निकलने वाली सांस – नि:श्वास
- किसी के साथ संबंध ना रखने वाला – नि:संग
- जिसे किसी बात की स्पृहा या आकांक्षा ना हो – नि:स्पृह
- जिस देश से निकाला गया हो – निर्वासित
- जो रोग से मुक्त हो – निरोग
- जिसकी उपमा ना दी जा सके – निरुपम
- जिसके मन में दया ना हो – निर्दय
- जो नापा जा सके – नाप्य, नापनीय
- जिसका उपाय ना हो, जिसके पास कोई उपाय ना हो – निरुपाय
- मिट्टी से बना हुआ – पार्थिव

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- जो सुख दु:ख से परे हो – परमहंस
- पद का लालची – पदलोलुप
- जिस स्त्री के पुत्र और पति हो – पुरंध्री
- पत्ते की बनी हुई कुटी – पर्ण कुटी
- उपकार के बदले में किया गया उपकार – प्रत्युपकार
- जिसका जन्म शरीर से हो – पिण्डज
- किये गये पाप का दंड स्वरूप फल भोगना – प्रायश्चित
- परिश्रम के बदले में मिलने वाला धन – पारिश्रमिक
- जो कहीं जाकर लौट आया हो – प्रत्यागत
- बच्चा जनने वाली स्त्री – प्रसूता
- दोपहर से पूर्व का समय – पूर्वाह्न
- परलोक से संबंधित – पारलौकिक
- पिता के पिता का पिता – प्रपितामह
- पुस्तक की हस्तलिखित प्रति – पाण्डुलिपि
- प्राण की रक्षा करने वाला- प्राणद
- जो साहित्य पदों या काव्यों के रूप में हो – पद्य
- बकवास करने वाला – प्रगल्भ
- प्रिय बोलने वाली स्त्री – प्रियंवदा
- परपुरुष से प्रेम करने वाली विवाहित स्त्री- परकीया
- वह स्त्री जिसे उसके पति ने छोड़ दिया हो- परित्यक्ता
- दूसरों का भला चाहने वाला- परार्थी
- जिस स्त्री का पति विदेश गया हो – प्रोषितपतिका
- लौटकर आया हुआ – प्रत्यावर्ती
- पर्वत की कन्या- पार्वती
- प्रतिकार की भावना – प्रतिचिकीर्षा
- किसी की जमानत करने वाला – प्रतिभू
- वापस बुलाया हुआ – प्रत्याहूत
- बिना अधिकार दूसरे की वस्तु काम में लाने वाला – परिभोक्ता
- प्रतियोगिता में विजेताओं को मिलने वाला उपहार – पारितोषिक
- किसी विषय में दक्षता प्राप्त करने वाला- पारंगत
- राह या मार्ग का भोजन – पाथेय

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

- वह गिलास जिसमें मोमबत्तियां जलती हों – फानूस
- जिसकी कामना बीत चुकी हो – आप्रकाश
- रात्रि का अंतिम प्रहर – ब्रह्ममुहूर्त
- खाने की इच्छा – बुभुक्षा
- सागर में लगने वाली आग – बडवानल
- जो बुद्धि द्वारा जाना जा सके – बोधगम्य
- क्रोध करने वाली स्त्री – भामिनी
- टूटी हुई इमारत का शेष बचा हुआ अंश – भग्नावशेष
- दीवार पर बने हुए चित्र – भित्तिचित्र
- भय उत्पन्न करने वाला – भयानक
- यूरोप एवं भारत संबंधी – भारोपीय
- जो भविष्य में निश्चित रूप से होने को है- भवितव्य
- दोपहर का समय – मध्याह्न
- मरने की इच्छा – मुमूर्षा
- जिसे मोक्ष पाने की इच्छा हो – मुमुक्षु
- जो शराब का आदी हो – मद्यप
- कमल की डंडी – मृणाल
- शीत ऋतु की वर्षा – महावट
- जिसने मृत्यु को जीत लिया हो – मृत्युंजय
- जो मेघ के समान गरजता हो – मेघनाद
- मीन जैसी आंख वाली नायिका – मीनाक्षी
- नपा तुला खाना खाने वाला – मिताहारी
- किसी बात के रहस्य को जानने वाला – मर्मज्ञ
- जिसके हृदय को चोट पहुँची हो – मर्माहत
- जो पुष्प पूर्ण रूप से विकसित ना हुआ हो – मुकुल
- मीठा बोलने वाला – मृदुभाषी
- जो मृत्यु के समीप है – मरणासन्न
- मनाने के लिए की गयी विनती – मनुहार
- अपनी शक्ति भर – यथाशक्ति
- युद्ध करने की इच्छा – युयुत्सा
- युद्ध की इच्छा रखने वाला – युयुत्सु

- यज्ञ करने और कराने वाला व्यक्ति – याज्ञिक
- उचित आहार करने वाला – युक्ताहार
- जिसका कोई स्थानीय ठिकाना न हो – यायावार
- युद्ध में स्थिर रहने वाला – युधिष्ठिर
- पूजा या यज्ञ के इच्छा करने वाला – यियक्षु
- खून से रंगा हुआ – रक्त रंजित
- उत्तराधिकार में मिला सम्पति – रिक्थ
- राधा का पुत्र – राधेय
- लालिमा से युक्त – रक्तिम
- समग्र लाभ पाने की चाह – लिप्सा
- लम्बे या मोटे पेट वाला – लम्बोदर
- जो आसानी से पच जाए – लघुपाक
- जिसने प्रतिष्ठा प्राप्त की हो – लब्धप्रतिष्ठ
- जीभ से चाटने की क्रिया – लेहन
- जो बात वर्णन से परे हो – वर्णनातीत
- जो सब में व्याप्त हो – विभु
- जिसके हाथ में वीणा हो – वीणापाणि
- जो विधि की दृष्टि से ठीक हो – वैध
- जो निरंतर बढ़ रहा हो – वर्धमान
- किसी कन्या को विवाह करने का वचन देना – वाग्दान
- जिसके हाथ में वज्र रहता हो – वज्रपाणि
- जिस पुरुष की स्त्री मर चुकी हो – विधुर
- वह स्त्री जो विद्वान हो – विदुषी
- जो व्यक्ति जो लोगों का मनोरंजन करता हो – विदूषक
- जिसकी पत्नी साथ न हो – विपत्नीक
- बचपन और जवानी के बीच की संधी – वय:संधि
- जिसका कोई अंग बेकार हो – दिव्यांग
- दो दिशाओं के बीच का कोण – विदिश
- सौतेली माता – विमाता
- भले बुरे की पहचान करने का ज्ञान – विवेक
- जो जानता हो – विज्ञ

- काम के लिए अनुपयुक्त समय – वृथासमय
- व्याकरण का ज्ञान रखने वाला – वैयाकरण
- तारों से भरी हुई रात – विभावरी
- जो अधिक बोलता हो – वाचाल
- जो हमेशा विद्यमान हो – शाश्वत
- चांदनी रात – शर्वरी
- शत्रुओं का नाश करने वाला – शत्रुघ्न
- जिसके हाथ में शूल हो – शूलपाणि
- हरा भरा मैदान – शाद्वल
- किसी के अनिष्ट हेतु उपाय करना – षडयन्त्र
- जो सबको समान देखता हो – समदर्शी
- जो सब कुछ जानता हो – सर्वज्ञ
- जिस स्त्री का पति जीवित हो – सधवा
- अपनी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाला – स्वेच्छाचारी
- जो अपने ही नाम से प्रसिद्ध हो – स्वनामधन्य
- जो स्त्री दुशचारिणी हो – स्वैरिणी
- अलग-अलग अवयवों को एक में जोडना- संश्लेषण
- जिसके विषय में संदेह हो – संदिग्ध
- जो स्वयं भोजन बनाकर खाता हो - स्वयंपाकी
- जो बाएं हाथ से काम करता हो – सव्यसाची
- नित्य दीन दुखियों को भोजन देने की व्यवस्था – सदाव्रत
- जिस स्त्री ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया हो – सद्य: प्रसूता
- माँस से युक्त भोजन – सामिष
- जिसे दूसरी जगह न ले जाया जा सके - स्थावर
- जिसके गले का स्वर अच्छा हो - सकंठ
- जो अपने आप से उत्पन्न हो – स्वयंभू
- जिसकी ग्रीवा सुंदर हो – सुग्रीव
- पसीने से उत्पन्न होने वाला – स्वेदज
- अपने ही वश में रहने वाला - स्ववश्य
- अपने मन की प्रसन्नता हेतु – स्वांत: सुखाय
- अपनी इच्छा से पति चुनने वाली – स्वयंवरा

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- प्राणों पर संकट लाने वाला – सांघातिक
- गहरी नींद में सोया हुआ – सुषुप्त
- जिसे देखकर हंसी आये – हास्यास्पद
- वह चातुर्य जो हाथ से किया जाए – हस्तलाघव
- जिसने पुण्य कार्य हेतु प्राण दिये हो – हुतात्मा
- सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है – हरावल
- आहुति देने की वस्तु – हवि
- जहां पृथ्वी व आकाश मिलते हों- क्षितिज
- जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो – क्षिप्रहस्त
- क्षण में नष्ट होने वाला – क्षण भंगुर
- किसी राजा के अधीन छोटे सामंत – क्षत्रप
- आंवला, हर्रा व बहेड़ा का मिश्रण – त्रिफला
- रात्रि का तीसरा प्रहर – त्रियामा
- ईर्ष्या या द्वेष से रहित – अनसूया
- वह स्त्री जिसके दाढ़ी मूँछ निकली हो – ऋषभी
- वेद वेदांग पढाने वाला – उपाध्याय
- जान से मारने की इच्छा – जिघांसा
- जो किसी बंधन का कारण हो – आश्रव
- चंचल आँखों वाली नायिका – लोलाक्षिका
- घुँघराले बालों वाली स्त्री – काकुली
- सुंदर मुस्कुराने वाली – सुस्मिता
- मंद मुस्कुराने वाली – स्मिता
- सोलह वर्ष की लड़की – श्यामा
- दो से अधिक पर्वतों के बीच का स्थान – घाटी
- वह फूल जो पूरा खिला हो – निमीलित
- सफेद कमल – पुंडरीक / पुण्डरीक
- छोटे भाई से पहले बड़े भाई का विवाह- सुवेश
- जिसका आदि अंत हो – आद्यांत
- गैर पुरुष से उत्पन्न पुत्र – जारज
- रावण की तलवार – चन्द्रहास
- अर्जुन का धनुष – गांडीव

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

शुद्ध वर्तनी संबंधित नियम

शुद्ध वर्तनी सम्बंधित महत्वपूर्ण नियम

1. यदि सर्वनाम के साथ दो विभक्ति चिह्न हो तो उनमें पहला सर्वनाम से मिलाकर तथा दूसरा अलग लिखा जाना चाहिए।

जैसे – उसके लिए; इनमें से।

2. सर्वनाम और उसकी विभक्ति के बीच 'ही', 'तक' आदि अव्यय का निपात हो, तो विभक्ति अलग लिखी जाय।

जैसे – आप ही के लिए, मुझ तक को।

3. 'तक', 'साथ' आदि अव्यय अलग – अलग लिखे जाने चाहिए।

जैसे – आपके साथ; यहाँ तक।

पूर्णकालिक प्रत्यय 'कर' क्रिया से मिलाकर लिखना है।

जैसे – मिलाकर, रोकर, खाकर, सोकर।

4. तत्पुरुष समास का प्रयोग करते समय योजक चिह्न (हाइफन) का प्रयोग वहीं किया जाय जहाँ उसके भ्रम होने की संभावना हो अन्यथा आवश्यक नहीं।

जैसे – भू - तत्व

5. द्वन्द्व समास में पदों के बीच योजक चिह्न होना चाहिए।

जैसे – शिव – पार्वती

राम – लक्ष्मण

6. 'सा' 'जैसा' आदि सारुप्य वाचकों के पूर्व योजक चिह्न (हाइफन) का प्रयोग किया जाना चाहिए।

जैसे – तुम सा, राम-जैसा, चाकू – से तीखे।

7. 'ये' और 'ए' का प्रयोग

ये = य् +ए = अन्त्रस्थ

ए = अग्र अर्द्धसंवृत दीर्घ स्वर

8. जिस क्रिया का /के भूतकालिक पुल्लिंग एकवचन रुप में 'या' अन्त में आता है ,उसके बहुवचन का रुप 'ये' और तद्नुसार एकवचन स्त्रीलिंग में 'यी' और बहुवचन में 'यीं' का प्रयोग करना चाहिए। **जैसे** – गया – आया/आयीं, गयी – गयीं, गये आये इत्यादि।

9. ये और ए का प्रयोग अव्यय क्रिया तथा शब्दों के बहुवचन बनाने में होता है। ये प्रयोग क्रियाओं के भूतकालिक रुपों में होते हैं।

10. जिस क्रिया के भूतकालिक पुल्लिंग एकवचन के अंत में 'आ' आता है, उसके पुल्लिंग एकवचन में 'ए' होगा और स्त्रीलिंग एकवचन में 'ई' तथा बहुवचन में ईं।

जैसे - 'हुआ' का स्त्रीलिंग एकवचन 'हुई' बहुवचन 'हुईं' पुल्लिंग बहुवचन 'हुए' होगा।

11. चार धातुओं दे, ले, पी, कर इन (चारों) धातुओं को ह्स्व इकार कर फिर दीर्घ करने पर और 'इए' प्रत्यय लगाने पर उनकी क्रियाएँ इस प्रकार बनती है।

दे (दि) + ज् + इए – दीजिए

ले (लि) + ज् + इए – लीजिए

कर (कि) + ज् + इए – कीजिए

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

12. अव्यय को पृथक रखने के लिए 'ए' का प्रयोग करना चाहिए।

जैसे – इसलिए, चाहिए।

सम्प्रदाय विभक्ति के 'लिए' में भी 'ए' का प्रयोग करना चाहिए।

13. विशेषण शब्द का अन्त जैसा हो, वैसा ही 'ये' या 'ए' का प्रयोग करना चाहिए।

14. जहाँ वर्गों के पंचमाक्षर के बाद उसी के वर्ग के शेष चार वर्णों में से कोई वर्ण हो वहाँ अनुस्वार का ही प्रयोग किया जाना चाहिए।

जैसे – वंदना, नंद, नंदन, गंगा, संपादक इत्यादि।

15. अरबी – फारसी के वे शब्द जो, हिन्दी के अंग बन चुके हैं और जिनका विदेशी ध्वनियों में रुपान्तर हो चुका है, उन्हें हिन्दी रुप में ही स्वीकार किया जाय।

जैसे – कागज, जरुर इत्यादि ।

किन्तु जहाँ उनका शुद्ध विदेशी रुप में प्रयोग अभीष्ट हो, वहाँ उनके हिन्दी में प्रचलित रुपों में यथास्थान 'नुक्ते' लगाना चाहिए। **जैसे** – राज़, नाज़ इत्यादि।

16. संस्कृत के जिन शब्दों में विसर्ग का प्रयोग होता है, यदि वे तत्सम रुप में प्रयुक्त हो तो विसर्ग का प्रयोग अवश्य करना है।

जैसे – दु:ख, स्वान्त: सुखाय।

तद्भव में बिना विसर्ग के भी प्रयोग सही माना जाता है।

जैसे – सुख – दुख

17. अंग्रेजी के जिन शब्दों में अर्द्ध 'ओ' ध्वनि का प्रयोग होता है उनके शुद्ध रुप का हिन्दी में प्रयोग अभीष्ट होने पर 'आ' की मात्रा पर अर्द्धचन्द्र का प्रयोग किया जाय।

जैसे – डॉक्टर, कॉलेज, हॉस्पिटल इत्यादि।

वर्तनी की विशेष अशुद्धियाँ और उनके निदान:-

- **'ण' एवं 'न' की अशुद्धियाँ-**

संस्कृत की जिन धातुओं में ण होता है उनसे बने शब्दों में भी 'ण' रहता है।

जैसे – क्षण, प्रण, वरुण, निपुण, गुण

- किसी एक ही पद में यदि ऋ, र्, और 'ष्' के बाद 'न' हो तो 'न' के स्थान पर 'ण' हो जाता है, भले ही इनके बीच कोई स्वर, य्, व्, ह, क वर्ग, प वर्ग का वर्ण तथा अनुस्वार आया हो।

जैसे- ऋण, कृष्ण, विष्णु, भूषण, उष्ण, रामायण, श्रवण इत्यादि।

किंतु, यदि इनसे भिन्न वर्ण आए, तो 'न' का 'ण' नहीं होता।

जैसे – अर्चना, रचना, प्रर्थाना इत्यादि

- 'ण' अधिकतर संस्कृत शब्दों में आता है। जिन तत्सम शब्दों में 'ण होता है, उनके तद्भव रूप में 'ण' के स्थान पर 'न' प्रयुक्त होता है।

जैसे- रण- रन, फण- फन, कण- कन।

- **'छ' एवं 'क्ष' की अशुद्धियाँ-**

'छ' स्वतंत्र तथा 'क्ष' संयुक्त व्यंजन है। 'क्ष' संस्कृत में अधिकतर प्रयुक्त होता है।

जैसे- शिक्षा, नक्षत्र, क्षोभ इत्यादि

- **‘ब’ एवं ‘व’ की अशुद्धियाँ-**

‘ब’ के उच्चारण में दोंनों होठ जुड़ जाते हैं, पर ‘व’ के उच्चारण में निचला होंठ ऊपर वाले दांत के अगले हिस्से के निकट चला जाता है और दोनों होंठों का आकार गोल हो जाता है।

- **‘श’, ‘स’ एवं ‘ष’ की अशुद्धियाँ-**

‘ष’ केवल संस्कृत में आता है।
जैसे- सन्तोष, भाषा, पीयूष, पुरुष, पौष, मूषक, ईष इत्यादि।

- जिन संस्कृत शब्दों में मूल धातु में ‘ष’ रहता है उनसे बने शब्दों में भी ‘ष’ रहता है।
जैसे-

- संधि करने में क, ख, ट, ठ, प, फ के पूर्व आया हुआ विसर्ग: हमेश ‘ष’ हो जाता है।
- यदि किसी शब्द में ‘स’ हो और उसके पूर्व ‘अ’ या ‘आ’ के सिवा कोई भिन्न स्वर हो तो ‘स’ के स्थान पर ‘ष’ हो जाता है।
- ‘ट’ वर्ग के पूर्व केवल ‘ष’ ही आता है।
जैसे- षोडश, कष्ट इत्यादि।

- ऋ के बाद प्राय: ‘ष’ ही आता है।
जैसे- ऋषि, वृष्टि, तृषा इत्यादि

- संस्कृत में च, छ के पूर्व ‘श’ ही आता है।
जैसे- निश्चय, निश्चल इत्यादि।

- जहां ‘श’, ‘स’ एक साथ आते हैं या प्रयुक्त होते हैं वहां ‘श’ पहले आता है।
जैसे- शासन, शासक, प्रशंसा, नृशंस इत्यादि।

- जहां ‘श’ और ‘ष’ एक साथ आते हैं वहां ‘श’ के पश्चात् ‘ष’ आता है।
जैसे- शीर्षक, शेष, शोषण, विशेष इत्यादि।

उपसर्ग के रूप में नि, वि आदि आने पर मूल शब्द का ‘स’ पूर्ववत बना रहता है।
जैसे- नि:संशय , विस्तार, निस्संन्देह इत्यादि।

- यदि तत्सम शब्दों में ‘श’ हो तो उसके तद्भव में ‘स’ होता है।
जैसे – शाक- साग, शूकर- सूअर, श्यामल – सांवला,

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
अधगति	अधोगति	अत्याधिक	अत्यधिक
अत्योक्ति	अत्युक्ति	अद्यपि	अद्यापि
अनाथिनी	अनाथा	अहोरात्रि	अहोरात्र
अष्टवक्र	अष्टावक्र	अक्षोहिणी	अक्षौहिणी
अंतस्पुर, अंतर्पुर	अंत: पुर	अधस्पतन	अध: पतन
अनाधिकारी	अनधिकारी	अध्यन	अध्ययन
आर्शीवाद	आशीर्वाद	आविस्कार	आविष्कार
अनुसंगिक	आनुषंगिक	अभ्यंतरिक	आभ्यन्तरिक
आध्यात्मक	आध्यात्मिक	असहनीय	असह्य

आधीन	अधीन	अनयाई	अनुयायी
अनाधिकार	अनधिकार	अनुशरण	अनुसरण
अभ्यस्थ	अभ्यस्त	अस्थान	स्थान
अहिल्या	अहल्या	अगामी	आगामी
अंताक्षरी	अंत्याक्षरी	अमावश्या	अमावस्या
आधीन	अधीन	अंगना	अँगना
आर्द	आर्द्र	आजीवका	आजीविका
अल्हाद	आह्लाद	आमिश	आमिष
आंख	आँख	इतिहासिक	ऐतिहासिक
ईर्षा	ईर्ष्या	उपरोक्त	उपर्युक्त
उज्वल	उज्ज्वल	उपलक्ष	उपलक्ष्य
उन्मीलीत	उन्मीलित	उन्नती	उन्नति
उत्कर्षता	उत्कर्ष	उत्तरदाई	उत्तरदायी
उच्चश्रवा	उच्चै:श्रवा	उंगली	उँगली
उंचा	ऊँचा	उँचाई	ऊँचाई
एकत्रित	एकत्र	एकतारा	इकतारा
एकलौता	इकलौता	एक्यता	ऐक्य, एकता
औद्योगीकरण	उद्योगीकरण	कलस	कलश
कैलाश	कैलास	कंगना	कँगना
कांच	काँच	कवियत्री	कवयित्री
कुशाशन	कुशासन	कनिष्ट	कनिष्ठ
केन्द्रीयकरण	केंद्रीकरण	कोतूहल	कौतूहल
कौशलता	कौशल, कुशलता	कोमलांगिनी	कोमलांगी
कृतघ्नी	कृतघ्न	गर्धभ	गर्दभ
गोप्यनीय	गोपनीय	गरिष्ट	गरिष्ठ
अनुग्रहित	अनुगृहीत	गोपित	गुप्त
गोपिनी	गोपी	गूंगा	गूँगा
गांधी जी	गाँधी जी	घनिस्ट	घनिष्ठ
चारदीवारी	चहारदीवारी	चर्मोतकर्ष	चरमोत्कर्ष
चिन्ह	चिह्न	चारुतायी	चारुता
चातुर्यता	चातुरता, चातुर्य	चातकिनि	चातकी
चक्षुरोग	चक्षूरोग	चांद	चाँद
क्षात्र	छात्र	छमा	क्षमा
जमाता	जामाता	जागत	जागरित
ज्योतसना	ज्योत्स्ना	ज्येष्ट	ज्येष्ठ

जानतांत्रिक	जनतान्त्रिक	जगबंधु	जगदबंधु
जात्याभिमान	जात्यभिमान	जाग्रतवस्था	जागरितावस्था
तत्व	तत्त्व	त्याज	त्याज्य
तरकस	तरकश	तत्कालिक	तात्कालिक
तिरिसकार	तिरस्कार	तदोपरांत	तदुपरान्त
दधिची	दधीचि	द्वारिका	द्वारका
द्वन्द	द्वन्द्व	देहिक	दैहिक
दारिद्रता	दरिद्रता, दारिद्रय	दाइत्व	दायित्व
दिगम्बरी	दिगम्बरा	दुरावस्था	दुरवस्था
दुस्कर	दुष्कर	दुरात्मागण	दुरात्मगण
दांत	दाँत	धैर्यता	धैर्य, धीरता
नैपुण्यता	नैपुण्य, निपुणता	निरपराधी	निरपराध
नछत्र	नक्षत्र	नरायन	नारायण
निमिलित	निमीलित	नुपुर	नूपुर
निरवान	निर्वाण	निसाद	निषाद
निरोग	नीरोग	निश्पक्ष	निष्पक्ष
निर्दोषी	निर्दोष	निर्गुणी	निर्गुण
निर्दयी	निर्दय	नेतागण	नेतृगण
पक्षीराज	पक्षिराज	पक्षीगण	पक्षिगण
पिताभक्ति	पितृभक्ति	प्राणीवृंद	प्राणिवृन्द
पहुंच	पहुँच	पयोपान	पय:पान
पुरुष्कार	पुरस्कार	पुर्रचना	पुनारचना
प्रतिछाया	प्रतिच्छाया	पत्नि	पत्नी
पुन्य	पुण्य	परिस्थिती	परिस्थिति
प्रज्ज्वलित	प्रज्वलित	प्रसंशा	प्रशंसा
प्रमेशवर	परमेश्वर	परिक्षा	परीक्षा
पिसाच	पिशाच	प्रवर्त्र	प्रवृत्त
परिणती	परिणति	प्रदर्शिनी	प्रदर्शनी
पिशाचिनी	पिशाच	पेयसि	प्रेयसी
प्रफुल्लित	प्रफुल्ल	प्रदेशिक	प्रादेशिक
प्रमाणिक	प्रामाणिक	पौरुषत्व	पौरुष
प्रतिनिधिक	प्रातिनिधिक	पैत्रिक	पैतृक
पूज्यास्पद	पूजास्पद	पुष्टी	पुष्टि
ब्रम्ह	ब्रह्म	ब्रत	व्रत
बृजभाषा	ब्रजभाषा	ब्राम्हन	ब्राह्मण

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

बाहुल्यता	बाहुल्य	बुद्धिवान	बुद्धिमान
बंगला	बँगला	बांस	बाँस
भुजंगिनी	भुजंगी	भाष्कर	भास्कर
भैय्या	भैया	भगीरथी	भागीरथी
मातादेव	मातृदेव	महाराजा	महाराज
महात्मागण	महात्मगण	मंत्रीवर	मंत्रिवर
मनहर	मनोहर	मनयोग	मनोयोग
मनोकामना	मन:कामना	माधुर्यता	माधुर्य
मान्यनीय	माननीय	मुर्धन्य	मूर्द्धन्य
महत्व	महत्त्व	मैथलीशरन	मैथिलीशरण
मतंतर	मतान्तर	महात्म	माहात्म्य
योगीवर	योगिवर	योगीराज	योगिराज
यशलाभ	यशोलाभ	याज्ञवल्क	याज्ञवल्क्य
राजागण	राजगण	राजनैतिक	राजनीतिक
रुग्न	रुग्ण	लब्धप्रतिष्ठित	लब्धप्रतिष्ठ
ललायित	लालायित	लच्छन	लक्षण
विद्यार्थीगण	विद्यार्थिगण	वयवृद्ध	वयोवृद्ध
विसाद	विषाद	विहंगिनी	विहंगी
व्यवहारित	व्यवहृत	व्यापित	व्याप्त
वैधव्यता	वैधव्य	वृष्टी	वृष्टि
वैमनस्यता	वैमनस्य	वाहनी	वाहिनी
विभिषिका	विभीषिका	विस्मरन	विस्मरण
वाल्मिकी	वाल्मीकि	वांक्षनीय	वांछनीय
वानी	वाणी	शशीभूषण	शशिभूषण
श्वेतांगिनी	श्वेतांगी	शक्ति	शक्ति
शोनित	शोणित	शारिरिक	शारीरिक
शिवी	शिवि	शुद्धिकरण	शुद्धीकरण
श्रंगार	शृंगार	श्राप	शाप
श्रीमति	श्रीमती	सन्यास	संन्यास
सर्वजनिक	सार्वजनिक	सौंदर्यता	सौन्दर्य, सुंदरता
सप्ताहिक	साप्ताहिक	सांसारिक	सांसारिक
सम्पर्कित	सम्पृक्त	सृष्टी	सृष्टि
स्वातंत्र	स्वातंत्र्य	सम्यता	समता, साम्य
सौजन्यता	सौजन्य	सलोचनी	सुलोचना
सांकल	साँकल	सन्मुख	सम्मुख

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

सम्वाद	संवाद	सन्मान	सम्मान
सदोपदेश	सदुपदेश	सिंचित	सिक्त
सूर्पनखा	शूर्पणखा	-	-
सृजन	सर्जन	सम्राज्य	साम्राज्य
समीति	समिति	स्मर्ण	स्मरण
सुसुप्ति	सुषुप्ति	सस्ययामला	शस्यश्यामला
सौहार्द्र	सौहार्द	सुसमा	सुषमा
सुश्रूषा	शुश्रूषा	श्रृवण	श्रवण
स्थाई	स्थायी	स्मशान	शमशान
साशन	शासन	साधूवाद	साधुवाद
सिंदुर	सिन्दूर	सतोगुण	सत्त्वगुण
सानंदित	सानंद	स्वामीभक्ति	स्वामिभक्ति
सशंकित	सशंक	सुकुशलपूर्वक	सकुशल
हस्ताक्षेप	हस्तक्षेप	हितैशी	हितैषी
हिन्दु	हिन्दू	हिंग	हींग
मनीसा	मनीषा	वेश-भूसा	वेश-भूषा
अहार	आहार	कुमुदनी	कुमुदिनी
मिष्ठान	मिष्ठान्न	कालीदास	कालिदास
समुज्जवल	समुज्ज्वल	पौरुश	पौरुष
आधीन	अधीन	प्रेमचंद्र	प्रेमचन्द
नर्क	नरक	धोबिनी	धोबिन
पष्ठम्	पष्ठ	सांस्कृत्यायन	सांकृत्यायन
रसायनिक	रासायनिक	यानी	यानि
अनभिग्य	अनभिज्ञ	मानविकीकरण	मानवीकरण
आयूर्वेदिक	आयुर्वेदिक	प्रकारान्तर	प्राकारान्तर
संदर्भ	सन्दर्भ	अधिवेसन	अधिवेशन
तरूण	तरुण	दिक्भ्रान्ति	दिग्भ्रान्ति
पड़ोसन	पड़ोसिन	पिताम्बर	पीताम्बर
अनुग्रहीत	अनुगृहीत	बदाम	बादाम
निछावर	न्योछावर	मिठायी	मिठाई
उपन्यासिक	औपन्यासिक	परचित	परिचित
पहिला	पहला	सरोजनी	सरोजिनी
वापिस	वापस	दिवाली	दीवाली
विधुज्योति	विधुज्ज्योति	नदिओ	नदियों
अग्नी	अग्नि	आवश्यकीय	आवश्यक

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

महानता	महत्ता	स्वास्थ	स्वास्थ्य
ज्येष्ठतम	ज्येष्ठ	ज्योतिषविद्या	ज्योतिर्विद्या
अनेकों	अनेक	सीधा साधा	सीधा- सादा
दुसाध्य	दुस्साध्य	बनस्पति	वनस्पति
गौड	गौण	राजाभिषेक	राज्याभिषेक
श्वसुर	श्वशुर	निर्गुणी	निर्गुण
झन्डा	झण्डा	पयर्वसान	पर्यवसान
खिवैया	खेवैया	जल्दि	जल्दी
दुर्वीवार	दुर्निवार	परिपार्श्विक	परिपार्श्वीय
निर्देशन	निदर्शन	अनभीज्ञ	अनभिज्ञ
अपर्युक्त	उपर्युक्त	सन्नध	सन्नद्ध
सदृश	सदृश्य	चिकीत्सक	चिकित्सक
निमित्तिक	नैमित्तिक	उपचारिकता	औपचारिकता
अजस्पर	अजस्त्र	स्वाती	स्वाति
अग्रगम्य	अग्रगण्य	दोरबलय	दौर्बल्य
त्रिदोश	त्रिदोष	उत्वंग	उत्तुंग
वजिफा	वजीफा	अगामी	आगामी
अनुछेद	अनुच्छेद	हाथिनी	हथिनी
अजमाइश	आजमाइश	शाँती	शान्ति
क्योंकी	क्योंकि	छिपकिली	छिपकली
फिटकरी	फिटकिरी	मालन	मालिन
फिजूल	फजूल	बिमारी	बीमारी
निरिक्षण	निरीक्षण	महिना	महीना
महाबलि	महाबली	रूई	रुई
सूचिपत्र	सूचीपत्र	आदरित	आदृत
सुई	सूई	वैश्या	वेश्या
नैना	नयन	धराशाई	धराशायी
उत्तरदायी	उत्तरदायी	औगुन	अवगुण
लिखायी	लिखाई	सोंच लो	सोच लो
छोंडकर	छोड़कर	जांति पांति	जाति पाँति
सोंचेंगें	सोचेंगे	क्योकी	क्योंकि
उन्ही	उन्हीं	नही	नहीं
तरंगे	तरंगें	खीजना	खीझना
अंधेरा	अँधेरा	रमन	रमण
चरन	चरण	पिंजड़ा	पिंजरा

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

रोड़	रोड	असोक	अशोक
बैदेही	वैदेही	कश्ट	कष्ट
शंकट	संकट	शारांश	सारांश
सँतोश	सन्तोष	राजस यज्ञ	राजसूय यज्ञ
पांडे	पाण्डेय	राधेशाम	राधेश्याम
-	-	आर्दश	आदर्श
पियारा	प्यारा	प्रमात्मा	परमात्मा
आर्चायों	आचार्यों	छेत्र	क्षेत्र
संस्कर्ण	संस्करण	जगननाथ	जगन्नाथ
घंटे	घण्टे	बालुपदेश	बालोपदेश
परयंत	पर्यन्त	उन्नतशील	उन्नतिशील
देवुत्थान	देवोत्थान	मद्यपानी	मद्यपायी
नभमंडल	नभोमंडल	व्यास्ता	व्यस्तता
नि:स्वार्थी	नि:स्वार्थ	आत्मक	आत्मिक
यथाविध	यथाविधि	सुबोधपूर्ण	सुबोध
अक्षुण्य	अक्षुण्ण	दिवारात्रि	दिवारात्र
भिज्ञ	अभिज्ञ	ऐशण	एषणा
अभिशापित	अभिशप्त	पुष्पवली	पुष्पावली
निरसता	नीरसता	नदेश	नदीश
इतिपूर्व	इत:पूर्व	वविशम	विषम
विद्युतचालक	विद्युच्चलक	मनज्ञ	मनोज्ञ
रीतु	ऋतु	भस्मिभूत	भस्मीभूत
विद्युत्तलता	विद्युत्लता	मट्टी	मिट्टी
राजऋषि	राजर्षि	नीरवाण	निर्वाण
भंडार	भण्डार	भाव-सागर	भवसागर
सहीष्णु	सहिष्णु	तलाव	तालाब
पुलिंग	पुल्लिंग	सवारना	संवारना
देश-निकाला	देशनिकाला	परिणती	परिणति
तरुछाया	तरुच्छाया	यशलाभ	यशोलाभ
औद्योगीकरण	उद्योगीकरण	मिष्ठान	मिष्ठान्न
पेयसि	प्रेयसी	आदरित	आदृत
सृष्टी	सृष्टि	धराशाई	धराशायी
तरूण	तरुण	सवारना	संवारना
उत्तरदाई	उत्तरदायी	पियारा	प्यारा

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

कुछ वाक्य जो परीक्षा में उपयोगी साबित हो सकते –

1. **अशुद्ध वाक्य** :- मैं पढ़ने का नित्य व्यायाम करता हूँ।
   शुद्ध वाक्य :- मैं पढ़ने का नित्य अभ्यास करता हूँ।
2. **अशुद्ध वाक्य** :- मेरी रोम रोम खिल उठी।
   शुद्ध वाक्य :- मेरा रोम- रोम खिल उठा।
3. **अशुद्ध वाक्य** :- हमे परस्पर एक दूसरे की सहायता करनी चाहिए।
   शुद्ध वाक्य :- हमें एक दूसरे की सहायता करनी चाहिए।
4. **अशुद्ध वाक्य** :- प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्मनिर्भर होना चाहिए।
   शुद्ध वाक्य :-प्रत्येक प्राणी को आत्मनिर्भर होना चाहिए।
5. **अशुद्ध वाक्य** :- हम अपने पिता के सबसे बड़े लड़के हैं।
   शुद्ध वाक्य :- मैं अपने पिता का सबसे बड़ा लड़का हूँ।
6. **अशुद्ध वाक्य** :- इस समय आपकी आयु पचास वर्ष है।
   शुद्ध वाक्य :- इस समय आपकी अवस्था/उम्र पचास वर्ष है।
7. **अशुद्ध वाक्य** :-हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
   शुद्ध वाक्य :- हमारी आयुष्मती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
8. **अशुद्ध वाक्य** :- उसने मुक्तहस्त से धन लुटाया।
   शुद्ध वाक्य :- उसने मुक्तहस्त धन लुटाया।
9. **अशुद्ध वाक्य** :- एक – एक करके सभी मर गये।
   शुद्ध वाक्य :- एक – एक कर सभी मर गये।
10. **अशुद्ध वाक्य** :- यह कहना आपकी भूल है।
    शुद्ध वाक्य :- यह कहना आपकी गलती है।
11. **अशुद्ध वाक्य** :- चाहे जैसे भी हो, तुम वहाँ जाओ।
    शुद्ध वाक्य :- चाहे जैसे हो, तुम वहाँ जाओ।
12. **अशुद्ध वाक्य** :- पकड़ी जाने पर वह स्त्री रोने लगी।
    शुद्ध वाक्य :- पकड़े जाने पर वह स्त्री रोने लगी।
13. **अशुद्ध वाक्य** :-शौचालय साफ –स्वच्छ रहना चाहिए।
    शुद्ध वाक्य :- शौचालय साफ (या स्वच्छ एक ही) रहना चाहिए।
14. **अशुद्ध वाक्य** :- कई रेलवे के कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई।
    शुद्ध वाक्य :- रेलवे के कई कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई।
15. **अशुद्ध वाक्य** :- मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।
    शुद्ध वाक्य :- मैं आपके दर्शन करने आया हूँ।
16. **अशुद्ध वाक्य** :- निश्चय रुप से नहीं कहा जा सकता।
    शुद्ध वाक्य :- निश्चित रुप से नहीं कहा जा सकता।
17. **अशुद्ध वाक्य** :- एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में चर रहे थे।
    शुद्ध वाक्य :- एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में चर रही हैं।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18. अशुद्ध वाक्य :- वकीलों ने कागजात का निरीक्षण किया।
शुद्ध वाक्य :-वकीलों ने कागजों की जाँच की।
19. अशुद्ध वाक्य :- आपका भवदीय।
शुद्ध वाक्य :-आपका या भवदीय (दोनों में से एक ही)।
20. अशुद्ध वाक्य :- मैं हल करने की तलाश मैं हूँ।
शुद्ध वाक्य :- मैं इस सवाल के हल की तलाश में हूँ
21. अशुद्ध वाक्य :- विवाह में कुछ लोग आमंत्रित नहीं किए गए थे।
शुद्ध वाक्य :- विवाह में कुछ लोगों को आमंत्रित नहीं किया गया था।
22. अशुद्ध वाक्य :- वहाँ बहुत से पशु और पक्षी उड़ते और चरते हुए दिखायी दिये।
शुद्ध वाक्य :-वहाँ बहुत -से पशु और पक्षी चरते और उड़ते दिखायी दिये।
23. अशुद्ध वाक्य :- दही खट्टी हो गई।
शुद्ध वाक्य :- दही खट्टा हो गया।
24. अशुद्ध वाक्य:परीक्षा की प्रणाली बदलनी चाहिए।
शुद्ध वाक्य:-परीक्षा- प्रणाली बदलनी चाहिए।
25. अशुद्ध वाक्य :- बंदूक एक उपयोगी शस्त्र है।
शुद्ध वाक्य :- बंदूक एक उपयोगी अस्त्र है।
26. अशुद्ध वाक्य :- उसने गीत की पहली लड़ी अच्छी नहीं गाई।
शुद्ध वाक्य :- उसने गीत की पहली कड़ी अच्छी नहीं गाई।
27. अशुद्ध वाक्य :- पशुओं का झुण्ड चारों ओर पानी की चाह में घूम रहा था।
शुद्ध वाक्य :- पशुओं का झुण्ड चारों ओर पानी की खोज में घूम रहा था।
28. अशुद्ध वाक्य :- उसने सारा दोष अपने सर पर ले लिया।
शुद्ध वाक्य :- उसने सारा दोष अपने सर ले लिया।
29. अशुद्ध वाक्य :- इन दोनों में केवल यही अंतर है।
शुद्ध वाक्य :- इन दोनों में यही अन्तर है।
30. अशुद्ध वाक्य :- थोड़ी देर बाद वे वापस लौट आये।
शुद्ध वाक्य :- थोड़ी देर बाद वे वापस (या लौट दोनों में एक) आये।
31. अशुद्ध वाक्य :- पिताजी ने मुझसे कहा।
शुद्ध वाक्य :- पिताजी ने मुझे कहा।
32. अशुद्ध वाक्य :- यह कविता अनेक भावों को बताती है।
शुद्ध वाक्य :- यह कविता अनेक भाव प्रकट करती है।
33. अशुद्ध वाक्य :- यह काम आप पर निरभर करता है।
शुद्ध वाक्य :- यह काम आप पर निर्भर है।
34. अशुद्ध वाक्य :- मुझे धैर्य के साथ काम करना चाहिए था।
शुद्ध वाक्य :- मुझे धैर्य से काम लेना चाहिए था।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

35. अशुद्ध वाक्य :- मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण करने के लिए तैयार हूँ।
शुद्ध वाक्य :- मैं अपनी बात के स्पष्टीकरण के लिए तैयार हूँ।
36. अशुद्ध वाक्य :- वहाँ भारी – भरकम भीड़ जमा थी।
शुद्ध वाक्य :- वहाँ भारी भीड़ लगी थी।
37. अशुद्ध वाक्य :- कल रात संगीत का खूब रंग चढ़ा।
शुद्ध वाक्य :- कल रात संगीत का खूब रंग जमा।
38. अशुद्ध वाक्य :- हमारे शिक्षक प्रश्न पूछते हैं।
शुद्ध वाक्य :-हमारे शिक्षक प्रश्न करते हैं।
39. अशुद्ध वाक्य :- वास्तव में वह बड़ा आदमी है।
शुद्ध वाक्य :-वस्तुत: वह बड़ा आदमी है।
***40.* अशुद्ध वाक्य** :- मैं शनिवार के दिन व्रत रखता हूँ।
शुद्ध वाक्य :- मैं शनिवार को व्रत रखता हूँ।
41. अशुद्ध वाक्य :- मुझे उससे एक बात कहना है।
शुद्ध वाक्य :- मुझे उससे एक बात कहनी है।
42. अशुद्ध वाक्य :- उन्होंने अपने जीवन में बहुत सा उतार –चढ़ाव देखा है।
शुद्ध वाक्य :- उन्होंने अपने जीवन में बहुत उतार – चढ़ाव देखा था।
43. अशुद्ध वाक्य :- मैने बाजार से दो किलो अमरुद और एक तरबूज खरीदे।
शुद्ध वाक्य :- मैंने बाजार से दो किलो अमरुद और एक तरबूज खरीदा।
44. अशुद्ध वाक्य :- उसकी आवाज कान में सुनाई पड़ी।
शुद्ध वाक्य :- उसकी आवाज सुनाई पड़ी।
45. अशुद्ध वाक्य :- मुझे मेला में जाना है।
शुद्ध वाक्य :- मुझे मेले में जाना है।
46. अशुद्ध वाक्य :- भाला बहुत उपयोगी शस्त्र है।
शुद्ध वाक्य :- भाला बहुत उपयोगी अस्त्र है।
47. अशुद्ध वाक्य :- यहाँ शत्रु से खतरे का डर है।
शुद्ध वाक्य :- यहाँ शत्रु से खतरा है/ डर है।
48. अशुद्ध वाक्य :- गाय का दूध गरम पीना चाहिए।
शुद्ध वाक्य :- गाय का गरम दूध पीना चाहिए।
49. अशुद्ध वाक्य :- राजा नल की स्त्री का नाम दमयंती था।
शुद्ध वाक्य :- राजा नल की पत्नी का नाम दमयंती था।
50. अशुद्ध वाक्य :- अभी तुम्हें बहुत सी बाते सीखना है।
शुद्ध वाक्य :- अभी तुम्हें बहुत सी बातें सीखनी है।
51. अशुद्ध वाक्य :- अश्वमेघ यज्ञ का घोड़ा पकड़ा गया।
शुद्ध वाक्य :- अश्वमेघ का घोड़ा पकड़ा गया।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

52. अशुद्ध वाक्य :- मैंने उसे बुलाया और बोला।
शुद्ध वाक्य :- मैंने उसे बुलाया और कहा।
53. अशुद्ध वाक्य :- यह वस्तु सपने में भी मिलना दुर्लभ है।
शुद्ध वाक्य :- यह वस्तु सपने में भी दुर्लभ है।
54. अशुद्ध वाक्य :- दो गाडियों की टक्कर हो गई।
शुद्ध वाक्य :- दो गाड़ियों की टक्कर हो गई।
55. अशुद्ध वाक्य :- उसके विरुद्ध मुकदमा चलाया गया।
शुद्ध वाक्य :- उस पर मुकदमा चलाया गया।
56. अशुद्ध वाक्य :- सुषमा जी मेरी पड़ोसन है
शुद्ध वाक्य :- सुषमा जी मेरी पड़ोसिन है।
अशुद्ध वाक्य :- प्रियंका जी ने पण्डित जी को दक्षिणा दिया।
शुद्ध वाक्य :- प्रियंका जी ने पण्डित जी को दक्षिणा दी।
57. अशुद्ध वाक्य :- आँसू से मेरा रुमाल भीग गया।
शुद्ध वाक्य :- आँसुओं से मेरा रुमाल भीग गया।
58. अशुद्ध वाक्य :- उसको हर चौथे दिन दौरा आता है।
शुद्ध वाक्य :- उसको हर चौथे दिन दौरा पड़ता है।
59. अशुद्ध वाक्य :- तुम कहाँ पर रहते हो ?
शुद्ध वाक्य :- तुम कहाँ रहते हो ?
60. अशुद्ध वाक्य :- छात्रों ने पण्डित नेहरु को अभिनन्दन पत्र प्रदान किया।
शुद्ध वाक्य :- छात्रों ने पण्डित नेहरु को अभिनन्दन – पत्र अर्पित किया।
61. अशुद्ध वाक्य :- लड़का मिठाई लेकर भागता हुआ घर आया।
शुद्ध वाक्य :- लड़का मिठाई लेकर दौड़ता हुआ घर आया।
62. अशुद्ध वाक्य :- साहित्य और जीवन का घोर संबंध है।
शुद्ध वाक्य :- साहित्य और जीवन का अभिन्न संबंध है।
63. अशुद्ध वाक्य :- ऐसी एकाध बातें और देखने में आती है।
शुद्ध वाक्य :- ऐसी एकाध बात और देखने में आती है।
64. अशुद्ध वाक्य :- वहाँ बहुत से पशु पक्षी उड़ते और चरते हुए दिखाई दिए।
शुद्ध वाक्य :- वहाँ बहुत-से पशु और पक्षी चरते और उड़ते दिखायी दिये।
65. अशुद्ध वाक्य :- यह काम आपर पर निर्भर करता है।
शुद्ध वाक्य :- यह काम आप पर निर्भर है।
66. अशुद्ध वाक्य :- मेरे लिए ठण्डी बर्फ और गर्म आग लाओं।
शुद्ध वाक्य :- मेरे लिए बर्फ और आग लाओ।
67. अशुद्ध वाक्य :- इस बात के कहने में किसी को संकोच न होगा।
शुद्ध वाक्य :- यह बात कहने में किसी को संकोच न होगा।
68. अशुद्ध वाक्य :- श्री कृष्ण के अनेकों नाम है।
शुद्ध वाक्य :- श्री कृष्ण के अनेक नाम हैं।

69. अशुद्ध वाक्य :- इन हालातों में चुनाव संभव नहीं है।
शुद्ध वाक्य :- इन हालात में चुनाव संभव नहीं है।
70. अशुद्ध वाक्य :- मैने गुरु का दर्शन किया।
शुद्ध वाक्य :- मैंने गुरु के दर्शन किए।
71. अशुद्ध वाक्य :- आज नई शिक्षा नीति के ऊपर चर्चा होगी।
शुद्ध वाक्य :- आज नई शिक्षा नीति पर चर्चा होगी।
72. अशुद्ध वाक्य :- आकाशवाणी से समाचार प्रकाशित हो रहे हैं।
शुद्ध वाक्य :- आकाशवाणी से समाचार प्रसारित हो रहे हैं।
73. अशुद्ध वाक्य :- वे परस्पर एक दूसरे से बहुत स्नेह करते हैं।
शुद्ध वाक्य :- वे परस्पर (या एक दूसरे को) बहुत स्नेह करते हैं।
74. अशुद्ध वाक्य :- एक पानी का गिलास दीजिए।
शुद्ध वाक्य :- पानी का एक गिलास दीजिए।
75. अशुद्ध वाक्य:- उसने कहा कि मैं चार भाई हूँ।
शुद्ध वाक्य:- उसने कहा कि हम चार भाई हैं।
76. अशुद्ध वाक्य:- माता पिता का आदर रखना चाहिए।
शुद्ध वाक्य:- माता-पिता का आदर करना चाहिए।
77. अशुद्ध वाक्य:- यह भोजन दस आदमी के लिए है।
शुद्ध वाक्य:- यह भोजन दस आदमियों के लिए है।
78. अशुद्ध वाक्य :- उन्होंने हाथ जोड़ा।
शुद्ध वाक्य:- उसने हाथ जोड़ा।
79. अशुद्ध वाक्य:- राकेश नया पोसाक पहनकर आया है।
शुद्ध वाक्य:- राकेश नई पोशाक पहनकर आया है।
80. अशुद्ध वाक्य:- बाजार में साप्ताहिक अवकाश सोमवार को रहता है।
शुद्ध वाक्य:- बाजार में साप्ताहिक बंदी सोमवार को होती है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

एक शब्द के दो रूप

हिन्दी में कुछ शब्दों के दो रूप प्रयोग में आते हैं और दोनों का एक ही अर्थ है। अत: दोनों शुद्ध माने गये हैं किन्तु लिखते समय दोनों में से किसी एक का प्रयोग सर्वत्र होना चाहिए। कुछ उदाहरण इस प्रकार है-

- कुछ शब्दों का रूप वैकल्पिक होते हैं-

जैसे-

कोश	- कोष	कौशल्या	- कौसल्या
केशरी	- केसरी	वशिष्ठ	- वसिष्ठ
अंजनि	- अंजनी	अंजलि	- अंजली
अवनि	- अवनी	कलश	- कलस
कुटीर	- कुटिर	त्रुटि	- त्रुटी
दश	- दस	धरणी	- धरणि
पृथिवी	- पृथ्वी	दम्पति	- दम्पती
मणि	- मणी	श्रेणि	- श्रेणी
हनुमान	- हनूमान	जुआ	- जूआ
सारथी	- सारथि	पपिहा	- पपीहा
प्रतिकार	- प्रतीकार	तलुवा	- तलवा

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

पर्यायवाची शब्द

1. **अग्नि** – आग, अनल, पावक, वायुसखा, वैश्वानर, धूमकेतु, कृशानु, दहन, हुताशन।
2. **असुर** – राक्षस, दैत्य, दनुज, दानव, निशिचर, निशाचर यातुधान, रजनीचर।
3. **अमृत** – सुधा, पीयूष, जीवनोदक, अमिय।
4. **अश्व** – वाजि, हय, घोटक, घोड़ा, तुरग, तुरंग, सैन्धव।
5. **आँख** – दृग, लोचन, नेत्र, चक्षु, नयन, अक्षि, विलोचन, दृष्टि, अम्बक।
6. **आकाश** – गगन, अम्बर, नभ, अंतरिक्ष, व्योम, द्यौ, अनन्त, आसमान, अभ्र।
7. **आम** – रसाल, चूत, च्यूत, अतिसौरभ, आम्र, सहकार, अमृतफल।
8. **आनन्द** – आमोद, प्रमोद, सुख, उल्लास, हर्ष, प्रसन्नता, मोद,आह्लाद(आल्हाद)।
9. **अखाड़ा** – मठ, विहार, कुटी, आश्रम, संघ।
10. **जंगल** – अरण्य, कानन, विपिन, वन कांतार।
11. **आकांक्षा** – इच्छा, अभिलाषा, चाह, कामना, मनोरथ, वांछा ईहा, स्पृहा, ईप्सा।
12. **इन्द्र** – मधवा, पुरन्दर, वासव, महेन्द्र, देवेन्द्र, देवराज, सुरपति, विडौजा।
13. **वस्त्र** – पट, वसन, वस्त्र, अम्बर, चीर, परिधान।
14. **कमल** – जलज, सरोज, सरसिज, अरविन्द, पद्म, कंज, शतदल, अम्बुज, तामरस, अब्ज, नलिल, पंकज।
15. **किरण** – मरीचि, ममूख, अंशु, कर, अर्चि, गो, रश्मि, प्रभा।
16. **कुबेर** - राजराज, धनाधिप, धनद, किन्नरेश, यक्षराज।
17. **गंगा** – भागीरथी, देवनदी, जाह्नवी, मन्दाकिनी, देवापगा, ध्रुवनन्दा, सुरसरिता।
18. **गणेश** – एकदन्त, लम्बोदर, मूषकवाहन, विनायक, गजानन, विघ्ननाशक, भवानीनंदन, महाकाय, मोददाता, मोदकप्रिय, हेरम्ब, वक्रतुण्ड।
19. **गधा** – खर, गर्दभ, धूसर, रासभ, बेशर, चक्रीवान्, वैशाखनन्दन।
20. **घर** – निकेतन, भवन, सदन, आगार, गेह, निलय, आवास, धाम, गृह, आलय।
21. **चन्द्रमा** – सुधाकर, चाँद, मयंक, शशांक, मृगांक, कलानिधि, सारंग, निशाकर, निशापति, रजनीपति, सुधांशु, हिमांशु शशि, राकेश, सुधाकर।
22. **चोर** – तस्कर, दस्यु, रजनीचर, मोषक, कुम्भिल, खनक, साहसिक, लक्ष्मीसुत।
23. **जल** – पानी, नीर, वारि, उदक, अम्बु, तोय, मेघपुष्प, पय, सलिल, अमृत, जीवन।
24. **यमुना** – अर्कजा, कृष्णा, सूर्यसुता, सूर्यतनया, तरणि, तनुजा, कालिन्दी।
25. **तालाब** – सर, सरोवर, तड़ाग, पुष्कर, जलाशय, पद्माकर।
26. **दास** – सेवक, चाकर, नौकर, अनुचर, भृत्य, किंकर, परिचारक।
27. **दु:ख** – पीड़ा, व्यथा, कष्ट, संकट, शोक, क्लेश, यातना, यन्त्रागा, खेद, वेदना।
28. **देवता** – सुर , अमर, निर्जर, त्रिदश, विबुध, देव, आदित्य, गीर्वाण, अजर।
29. **धन** – सम्पत्ति, सम्पदा, द्रव्य, वित्त , दौलत, विभूति।
30. **नदी** - सरिता, आपगा, निम्नगा, तटिनी, तरंगिनी(तरंगिणी), कूलंकषा।
31. **नाव**- नौका, तरिणी, तरी, बेड़ा, डोंगी, पतंग, जलपात्र, जलयान।
32. **भार्या** – अर्धांगिनी, प्राणप्रिया, दारा, गृहिणी, बहू, वधू, कलत्र।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

33. **पति** – स्वामी, भर्ता, आर्यपुत्र, वल्लभ।
34. **वायु** - हवा, निल, समीर, वात, मरुत्, बयार, प्रकम्पन।
35. **पक्षी** – खग, चिड़िया, शकुन्त, अण्डज, पतंग, द्विज, पखेरु, विहंग, विहग।
36. **पर्वत** – भूधर, शैल, अचल, महीधर, गिरि, नग, तुंग, अद्रि, पहाड़, भूमिधर।
37. **पुत्र** – लड़का, सुत, तनय; बेटा, आत्मज, तनुज।
38. **पुत्री** – लड़की, सुता, तनया, बेटी, आत्मजा, तनुजा, नन्दिनी, दुहिता।
39. **पण्डित** – कोविद, सुधी, विद्वान, मनीषी, प्राज्ञ, धीर, बुध, विचक्षण।
40. **पृथ्वी** – धरती, उर्वी, धरित्री, भूमि, धरा, वसुन्धरा, इला, धरणी वसुधा, भू।
41. **पुष्प** – सुमन, फूल, कुसुम, प्रसून, मंजरी।
42. **बाण** – तीर, विशिख, शर, इषु, आशुग, नाराच, शिलीमुख।
43. **बिजली** – चपला, चंचला, विद्युत, क्षणप्रभा, तड़ित्, दामिनी, सौदामिनी।
44. **ब्रह्मा** – चतुरानन, पितामह, लोकेश, विधि, विधाता, आत्मभू।
45. **पेड़** - वृक्ष, तरु, द्रुप, दरख्त, विटप, अगम, गाछ, पादप।
46. **मछली** – मत्स्य, मीन, जलजीवन, जलज, झख (झष), सफरी (शफरी)।
47. **शंकर** – शिव, शम्भु, भव, भूतेश, गिरीश, त्रिलोचन, पशुपति, महेश्वर, चन्द्रशेखर, हर, ईश।
48. **बादल** - नीरद, वारिद, जलद, अम्बुद, पयोधर, जलधर, वारिधर।
49. **मुनि** – वैरागी, संन्यासी, तापस, साधु, महात्मा, भिक्षु, सन्त, यती, अवधूत।
50. **रात** – रजनी, विभावरी, रात्रि, शर्वरी, क्षणदा, रैन, यामिनी, त्रियामा, निशा।
51. **राजा** – नृप, नरेश, भूप, राव, सम्राट।
52. **विष्णु** – जनार्दन, चक्रपाणि, विश्वम्भर, मुकुन्द, विभु, नारायण, विश्वरुप, माधव, दामोदर, केशव, लक्ष्मीपति, गरुड़ध्वज, हृषीकेश।
53. **समुंद्र** – सिन्धु, सागर, जलधि, पारावार, नीरधि, नीरनिधि, नदीश, पयोधि, अब्धि, वारीश, जलधाम, रत्नाकर, अर्णव।
54. **साँप** – सर्प , भुजंग, उरग, पन्नग, नाग, व्याल, फणी, विषधर, अहि।
55. **समूह** – समुदाय, वृन्द, गण, संघ, पुंज, दल, झुण्ड, जत्था, टोली, मण्डली।
56. **सरस्वती** – इला, शारदा, भारती, वीणापणि, वाक्, वागीशा, ब्राह्मी, गिरा, भाषा।
57. **सोना** – स्वर्ण, सुवर्ण, हाटक, कंचन, हिरण्य, हेम, जातरुप, कनक।
58. **सूर्य** – रवि, प्रभाकर, दिनकर, मार्तण्ड, मरीची, पतंग, सविता, हंस, दिवाकर, आदित्य, भानु, अंशुमाली, भास्कर।
59. **स्त्री** – महिला, नारी, वनिता, कान्ता, रमणी।
60. **सुन्दर** – चारु, ललित, रम्य, रमणीक, मनोहर, चित्ताकर्षक, रुचिर, सुहावना।
61. **शेर** – शार्दूल, सिंह, नाहर, व्याघ्र, मृगराज, मृगेन्द्र, पंचमुख, महावीर, केशी, केहरी, केशरी।
62. **पताका** – झण्डा, ध्वज, केतु, केतन, निशान।
63. **हंस** – मराल, सूर्य, मितपक्ष, कलकंठ, मानसौक।
64. **दर्पण** – शीशा , आरसी, आईना, मुकुर
65. **शिक्षक** – गुरु, अध्यापक, आचार्य, उपाध्याय।
66. **कामदेव** – मदन, मन्मथ, अनंग, पंचशर, मनोज, कन्दर्प, पुष्पधन्वा।
67. **हाथी** – गज, कुंभी, करी, मतंग, सिंधुर, द्विप, हस्ती।

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

68. **भौंरा** – भ्रमर, भँवरा, मधुप, अलि, भृंग।
69. **कृष्ण** – बनवारी, माधव, श्याम, मोहन, मुकंद, दामोदर, मधुसूदन, द्वारिकाधीश, मुरलीधर।
70. **दूध** – दुग्ध, क्षीर, पय, गोरस, पीयूष।
71. **अंक-** संख्या, नंबर, क्रमांक
72. **अंक**- निशान, चिह्न, छाप
73. **अंग-** अवयव, भाग, हिस्सा, उपांश, घटक
74. **अँगूठी** - अंगुलिया, मुद्रा, मुँदरी, मुद्रिक, छाप
75. **अंत -** इति, समाप्ति, आखीर, खात्मा, बस
76. **अंत -** छोर किनारा, सिरा, अंचल
77. **अंधकार**- अँधेरा, तम, तिमिर, अंधियारा, तमस
78. **अग्नि** - आग, पावक, अनल, वह्नि, हुताशन
79. **अजनबी** - अनजान, अपरिचित, अज्ञात, नावाकिफ, गैर
80. **अतिथि** - अभ्यागत, मेहमान, पाहुना, गृहागत
81. **अथाह -** अगाध, अतल, बहुत गहरा
82. **अद्भुत** - विचित्र, विलक्षण, अनोखा, अजीब, अनूठा
83. **अधम -** निकृष्ट, पतित, नीच, निम्न
84. **अनाज** - अन्न, धान्य, गल्ला, दाना
85. **अनाथ -** बेसहारा, यतीम, नाथहीन, दीन, निराश्रित
86. **अनादर** - अवज्ञा, तिरस्कार, अवमान, अवहेलना, तौहीन
87. **अपयश -** अपकीर्ति, अपवाद, बदनामी, निंदा, अकीर्ति
88. **अपार** - असीम, अनंत, बेहद, बेशुमार, निस्सीम
89. **अप्सरा -** देवांगना, सुरबाला,दिव्यांगना, सुरसुंदरी, देवबाला
90. **अभिमान -** अहंकार, दर्प, गरुर, दंभ, मद
91. **अमूल्य** - अनमोल, बहुमूल्य, कीमती, मूल्यवान्, बेशकीमत
92. **अलौकिक -** लोकोत्तर, अद्भुत, विलक्षण
93. **अल्प** - न्यून, थोड़ा,अपर्याप्त
94. **अवज्ञा -** अनादर, अवमानना, अपमान,तिरस्कार
95. **अवशिष्ट -** शेष बचा, बाकी
96. **आयुष्मान -** चिरायु, चिरंजीव, दीर्घायु, शतायु, दीर्घजीवी
97. **इच्छा** - अभिलाषी, उत्कंठित, लालायित, उत्सुक, आतुर
98. **उत्तम** - श्रेष्ठ, उत्कृष्ट, प्रवर, प्रकृष्ट, बढ़िया
99. **उत्थान -** उत्कर्ष, आरोह, चढ़ाव, उत्क्रमण, उठाव

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

100. **उदास -** उन्मन, अवसन्न, विषण्ण, खिन्न, चिंताकुल
101. **उदासीन -** विरक्त, नि:स्पृह, वीतराग, निर्लिप्त, अनासक्त.
102. **उदाहरण** - दृष्टांत, मिसाल, नजीर, नमूना
103. **उद्गम**- उद्भव, उत्पत्ति, जन्म, स्रोत
104. **उल्लास -** आह्राद, आनंद, हर्ष, प्रमोद
105. **ओंठ** - अधर, होंठ, ओष्ठ, दंतच्छद, रदनच्छद
106. **कछुआ -** कूर्म, कमठ, कच्छप
107. **कठोर -** पुरुष, कर्कश, निष्ठुर, कड़ा, निर्मम
108. **कबूतर** - कपोत, परेवा, पारावत
109. **कमल -** अरविंद, राजीव, जलज, सरोज, पंकज, पद्म, अंबुज, पुंडरीक, जलजात, नलिन.
110. **कर -** टैक्स, शुल्क
111. **कर्कश -** कड़ा, कठोर, क्रूर, परुष, निष्ठुर
112. **कलंक -** लांछन, दोष, दाग, धब्बा
113. **कामना** - वांछा, आकांक्षा, अभिलाषा, मनोरथ, चाह
114. **कुबेर** - यक्षराज, धनेश, धनेश्वर, धनपाल, किन्नरेश
115. **कोयल -** पिक, कोकिल, श्यामा, मदनशलाका, कलघोष
116. **कौआ** - काक, काग, वायस, एकाक्ष
117. **खोज** - तलाश, गवेषण, अन्वेषण, शोध, अन्वीक्षण
118. **गरुड़** - वैनतेय, खगेश, सर्पारि, हरियान, नागांतक
119. **गर्व** - दर्प, अभिमान, घमंड, अकड़, दंभ
120. **घर** - गृह, सदन, निकेतन, धाम, निवास, स्थान
121. **चंद्रिका** - चाँदनी, ज्योत्सना, कौमुदी
122. **चाह** - इच्छा, अभिलाषा, वांछा, कामना, आकाँक्षा
123. **जननी -** माता, माँ, अम्मा, अंबा, महतारी
124. **जिह्वा** - जीभ, रसना, जबान, अंत:करण, आत्मा
125. **जूता** - उपानह, पनही, चर्मपादुका, पदत्राण
126. **झुंड** - समूह, गिरोह, जत्था, पुंज, मंडली, यूथ, दल
127. **झोपड़ी -** पर्णकुटी, कुटी, छानी, कुंज, मड़वा, कुटिया
128. **तलवार** - खड्ग, असि, कृपाण, तेग, करवाल, शमशीर
129. **तारीख** - तिथि, दिनांक, मिति
130. **थोड़ा -** कम, अल्प, तनिक, न्यून

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

131. **दर्प -** घमंड, गर्व, अभिमान, अहंकार, दंभ
132. **दल** - समूह, गिरोह, गुट, संघ, यूथ, जत्था
133. **दस्यु** - डाकू, डकैत, लुटेरा, बटमार, राहजन
134. **दीप** - दीपक, दीया, चिराग
135. **दीप्ति** - चमक, कांति, आभा, द्युति, दमक, ज्योति
136. **दुबला -** दुर्बल, कृश, निर्बल, कृशकाय, कमजोर
137. **दुर्गम** - दुस्तर, अगम्य, विकट, औघट, कठिन
138. **दुर्गा** - चंडिका, कालिका, भगवती, नारायणी, महामाया, गौरी, शक्ति, कल्याणी, चंडी, भवानी
139. **दुर्जन** - दुष्ट, धूर्त, पिशुन, खल
140. **दूध -** दुग्ध, क्षीर, पय, गोरस, पीयूष
141. **दैत्य** - राक्षस, असुर,रजनीचर, दानव, निशाचर
142. **धनंजय -** अर्जुन, पार्थ, कौन्तेय, गुड़ाकेश, गांडीवधर
143. **धनुष -** कमान, चाप, शरासन, कोदंड, पिनाक
144. **नक्षत्र -** तारा, ऋक्ष, सितारा, तारक
145. **नया** - नूतन, नव, नवीन, नव्य, नवेला, अभिनव
146. **नाविक** - पोतवाह, पोतचालक, नौचालक, मल्लाह
147. **निकम्मा** - बेकार, निखट्टू, निठल्ला, अकर्मण्य
148. **निरपेक्ष -** तटस्थ, उदासीन, निष्पक्ष
149. **पगड़ी** - पाग, उष्णीष, साफा
150. **पताका -** झंडा, ध्वज, ध्वजा, निशान, फरहरा
151. **पति** - स्वामी, भर्ता, नाथ, खाविंद, भरतार, घरवाला
152. **पत्ता** - पत्र, दल, पर्ण, पल्लव
153. **पत्र -** चिट्ठी, खत, पाती
154. **पथ** - मार्ग, रास्ता, राह, डगर
155. **पद -** पदवी, दर्जा, ओहदा
156. **परछाई -** प्रतिच्छाया, प्रतिबिंब, साया, छाया
157. **परुष -** कठोर, कर्कश, कड़ा, निष्ठुर, निर्दय
158. **परोक्ष** - अप्रत्यक्ष, ओझल, तिरोहित, अगोचर, गुप्त
159. **पर्याप्त** - प्रचुर, बहुत, यथेष्ट
160. **पवित्र** - पावन, पुनीत, साफ, पूत, विशुद्ध
161. **पसीना** - प्रस्वेद, श्रमकण, श्रमसीकर

Best Study के लिए हमारी App को Download करें GK Trick By Nitin Gupta

162. **पहिया** - चाक, चक्का, चक्र
163. **पात्र** - बरतन, भाजन, भांडा
164. **पाप** - अघ, पातक, गुनाह, अपकर्म, कलुष
165. **पार्वती** - उमा, गौरी, भवानी, रुद्राणी, गिरिजा, अंबा, हेमवती, शैलसुता, मैनसुता
166. **पीवर** - मोटा, मांसल, स्थूल, पीन
167. **पुंज** - राशि, ढेर, समूह, जमाव, अंबार
168. **पुरातन** - प्राचीन, पुराना, पूर्वकालीन, प्राक्तन, भूतकालीन
169. **पृथु** - चौड़ा, विस्तृत, विस्तीर्ण
170. **प्रख्यात** - विख्यात, प्रसिद्ध, मशहूर, विश्रुत, नामवर
171. **प्रचुर** - बहुत, विपुल, पर्याप्त, अधिक, बहुत
172. **प्रज्ञा** - बुद्धि, ज्ञान, प्रतिभा, मेधा, समझ
173. **प्रणय** - प्रेम, अनुराग, स्नेह, प्रीति, अनुरक्ति
174. **प्रभात** - भोर, तड़का, सवेरा, उषाकाल, प्रात:काल
175. **प्रभु** - ईश्वर, भगवान, परमात्मा, परमेश्वर
176. **प्रमोद** - आह्लाद, उल्लास, प्रसन्नता , हर्ष, मोद, मस्ती
177. **प्रांजल** - स्वच्छ, निर्मल, बेदाग, शुद्ध, साफ –सुथरा
178. **प्रात:काल** - सुबह, सवेरा, भोर, विहान
179. **प्रारब्ध** - किस्मत, भाग्य, तकदीर, नसीब, अदृष्ट
180. **प्रार्थना** - विनती, विनय, याचना, निवेदन, अर्ज
181. **प्रिय** - प्यारा, वत्सल, वल्लभ, दुलारा, प्रियतम
182. **प्रेम** - अनुराग, प्रीति, स्नेह, प्यार, रति, मुहब्बत
183. **बारिश** - वर्षा, वृष्टि, पावस, बरसात, मेह
184. **बोध** - ज्ञान, जानकारी, समझ, विवेक, बुद्धि
185. **ब्राह्मण** - विप्र, भूसुर, भूदेव, महीसुर, द्विज
186. **भंडार** - आगार, गोदाम, मालखाना, संग्रहागार
187. **भय** - डर, आशंका, भीति, त्रास, खौफ
188. **भारती** - शारदा,सरस्वती, ब्राम्ही, वीणा वादिनी
189. **मुख** - मुँह, आनन, वदन, मुखड़ा, चेहरा
190. **मूर्ख** - मूढ़, बुद्धू, गोबर- गणेश, भोंदू, उल्लू, बेवकूफ, बेअक्ल, बुद्धिहीन
191. **मेढ़क** - मण्डूक, दर्दुर, दादुर, भेक
192. **मेल** - मिलाप, संयोग,संपर्क,

193. **मौलि -** ललाट, मस्तक, माथा
194. **युग्म** - युगल, मिथुन, जोड़ा
195. **रक्त** - रुधिर, खून, शोणित
196. **रम्य -** नोरम, मणीय, मनोहर, सुंदर
197. **रोष -** क्रोध, कोप, गुस्सा, अमर्ष
198. **लघु -** छोटा, हलका, थोड़ा, न्यून, सम
199. **ललाट -** भाल, माथा, मस्तक
200. **लालसा -** अभिलाषा, तृष्णा, लिप्सा, लालच, लोभ
201. **लोहू -** रक्त, रुधिर, खून, शोणित, लौहित
202. **वल्लभ** - प्रियतम, पति, प्राणेश्वर, प्रिय, प्राणनाथ
203. **वसंत -** ऋतुराज, बहार, मधुमास, ऋतुपति, कुसुमाकार
204. **विवाह -** ब्याह, शादी, परिणय, पाणिग्रहण, गठजोड़
205. **विशारद -** ज्ञानी, पंडित, विद्वान, सुधी
206. **विष** - जहर, गरल, माहुर, कालकूट, हलाहल
207. **विष्णु -** नारायण, हरि, मुकुंद, चतुर्भुज, गोविंद, जनार्दन, श्रीपति, चक्रपाणि, कमलापति, लक्ष्मीपति
208. **वेशभूषा -** पहनावा, लिबास, पोशाक, परिधान
209. **वैभव -** ऐश्वर्य, संपदा, धन – दौलत, संपत्ति, संपन्नता, समृद्धि
210. **शराब -** मदिरा, सुरा, दारु, मद्य
211. **शरीर -** देह, तन, बदन, वपु, काया
212. **शहद -** मधु, मकरंद, पुष्परस, माक्षिक
213. **शिकारी -** आखेटक, लुब्धक, अहेरी, व्याध, बहेलिया
214. **शुक्ल** - श्वेत, धवल, सफेद, उजला, धौला
215. **शून्य** - खाली, रिक्त, रहित, विहीन
216. **श्लाघा -** प्रशंसा, सराहना, तारीफ, बड़ाई
217. **स्थावर** - अचल, अटल, स्थिर, निश्चल, अचर
218. **स्वच्छ -** निर्मल, साफ- सुथरा, अमल, विमल
219. **हंस** - मराल, मुक्तभुक्, सरस्वती, वाहन
220. **हाथ** - कर, हस्त, पाणि

विगत परीक्षाओं में आए हुए: पर्यायवाची शब्द

221. **लक्ष्मी** – इन्दिरा, पद्मा, रमा, भार्गवी।
222. **वर्षा** – पावस, बारिश, वृष्टि, बरसात।
223. **भौंरा** – मधुप, भृंग, अलि, भ्रमर, द्विरेफ, षट्पद।
224. **बहन** – सहोदरा, भगिनी, बांधवी, सहगर्मिणी।
225. **आभूषण** – गहना, जेवर, भूषण, आभरण।
226. **गरीब** – कंगाल, निर्धन, धनहीन, अकिंचन
227. **मोक्ष** – मुक्ति, निर्वाण, परमपद, परमधाम।
228. **मोर** – सारंग, ध्वजी, कलापी, शिखण्डी, केकी
229. **पत्थर** –पाहन, प्रस्तर, अश्म, पाषाण, उपल।
230. **कलत्र** – वामा, पत्नी, दारा,गेहिनी, वल्लभा, वामांगी, भार्या।
231. **घड़ा** – सुराही, कुम्भ, कलश, मंथनपात्र, गगरा।
232. **चाँदनी** – चन्द्रिका, ज्योत्स्ना, चन्द्रमरीचि, चन्द्रप्रभा, कौमुदी।
233. **तलवार** – असि, करवाल, खड्ग, कृपाण, चन्द्रहास ।
234. **सुन्दरी** – प्रमदा, रमणी, मनोज्ञा, तरुणी ।
235. **तोता** – कीर , शुक, सुआ, दाड़िम प्रिय, रक्ततुण्ड ।
236. **वन** – कान्तार, अटवी, विपिन, अरण्य, जंगल, कानन ।
237. **नियति** – भाग्य, होनी, भावी, प्रारब्ध ।
238. **कोयल** – श्यामा, पिक, कोकिल, मदनशलाका, कलघोष ।
239. **कौआ** – काक, वायस, काग, पिशुन ।
240. **बंदर** – मर्कट, शाखामृग, वानर, कीश, कपि, हरि।

GK Trick by Nitin Gupta

Online course

सामान्य ज्ञान AND करेंट अफेयर्स का SOLUTIONS

इस Course में क्या - क्या मिलेगा ?

Only ₹ 300

- **GK Tricks -** General Knowledge से संबंधित जटिल तथ्य जिन्हें आप आसानी से याद नही रख पाते, उन तथ्यों को इन ट्रिक्सों में बहुत ही आसान व रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है !! इन ट्रिक्सों के माध्यम से आप बहुत ही कम समय मे सामान्य ज्ञान को याद कर पायेगें !!
- **GK PDF -** General Knowledge के सभी Subjects (History, Geography, Polity, Economy, Science, Computer, Environment) की 35 से भी अधिक Best PDF Notes - हिन्दी में
- **Current Affairs PDF -** Monthly and Yearly Current Affairs PDF Notes - हिन्दी में
- **Test Series -** Current Affairs व General Kwoledge के Best Test - Detail Discriptions के साथ

Course Join करने के लिए Google Play Store से आज ही Download करें हमारी App - "GK Trick By Nitin Gupta"

GK Trick By Nitin Gupta

Education Leaf Media

Uninstall | Open

GET IT ON Google Play

GK Trick by Nitin Gupta Course को कैसे Join करें ?

01 सबसे पहले Google Play Store से हमारी **App "GK Trick By Nitin Gupta"** को Download करें

02 Mobile Number से Register करने के बाद सबसे नीचे **Store Section** में जाएँ

03 उसके बाद **"GK Trick by Nitin Gupta"** वाले Course पर Click करें

04 उसके बाद **"Buy Now"** पर Click करके आप इस Course को खरीद सकते हैं

ये सभी Step को Follow करते ही आप इस Course में उपलब्ध सभी Test Series व PDF को Access कर पाएंगे, एवं इसमें Regular New PDF व Test Series को ADD किया जाएगा, जिन्हें आप Access कर पाएंगे

Download करें हमारी App -
"GK Trick By Nitin Gupta"

GET IT ON Google Play